जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 15 संख्याः 197 प्रभात हिण्डौन सिटी, शुक्रवार 19 मई, 2023 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

गत दिनों, 21 अप्रैल को, उत्तरी वियतनाम की डोंग मो लेक में स्थानीय लोगों को 93 किलोग्राम का शव तैरता हुआ दिखा। यह असल में यैंगसी जाएंट सॉफ्ट शैल टर्टल प्रजाति की आखिरी ज्ञात मादा का शव था, जिसे वियतनाम का ''टर्टल गॉड'' कहते थे। एशियन टर्टल प्रोग्राम (ए.टी.पी.) ने इसकी मौत पर लिखा, ''हम बेहद आहत हैं, हमने इस टर्टल व इसके आवास को बचाने के लिए 17 साल तक कड़ी मेहनत की है।'' इस मादा के मरने से अब सिर्फ दो यैंगसी सॉफ्ट शैल टर्टल बचे हैं और दोनों नर हैं। इनमें से एक तो पास की ही एक लेक, शुआन खान में है और दूसरा ईस्टर्न चाइना के सूजो शहर के जंतुआलय में। यह भी संभव है कि, डोंग मो लेक में एक और टर्टल हो, पर इसकी पुष्टि नहीं हुई है। छोटे आकार के यैंगसी सॉफ्ट शैल टर्टल को ''स्विनहोज़ सॉफ्ट शैल टर्टल'' भी कहते हैं और इस समय केवल दो या तीन टर्टल सरवाइव कर रहे हैं इसलिए इन्हें विश्व का सर्वाधिक संकटग्रस्त जीव कह सकते हैं। ये कछुए मूलतः चीन की रैड रिवर के बेसिन, लोअर यैंगसी रिवर तथा नॉर्दर्न वियतनाम में रहते थे। लेकिन नदियों पर बांध बनाने और वैटलैंड्स के सूखने से ये अपनी अधिकांश आवासीय रेंज से लुप्त हो गए हैं। हद से ज्यादा मछली पकड़ने, प्रदूषण तथा मीट व अण्डों के लिए इनके अत्यधिक शिकार के कारण भी इनकी आबादी बेहद कम हुई है। वियतनाम की पौराणिक कथाओं में इन कछुओं को ''किम की'' का प्रतीक माना जाता है। किम की वियतनामी कछुआ देवता हैं जिसने एक हजार साल के चीनी शासन को उखाड़ फेंकने में वियतनाम के लोगों की मदद की थी। आधुनिक हनोई शहर की होआम किम लेक वो स्थान है जहाँ कथित रुप से सम्राट एली लॉय ने कछुआ देवता ''किम की'' को जादुई तलवार लौटाई थी। सम्राट ने चीनियों को भगाने में इस तलवार का इस्तेमाल किया था। इस लेक में 2016 तक यैंगशी सॉफ्ट शैल टर्टल रहते थे। ए.टी.पी. के प्रमुख टिम मैककॉर्मैक ने 2019 में कहा था कि, संभव है यैंगशी जाएंट सॉफ्ट शैल टर्टल अभी वियतनाम व लाओस की झीलों में हों। इस प्रजाति का केवल एक जोड़ा भी इसको विलुप्ति से बाहर ला सकता है। एक मादा एक बार में 30 तक अण्डे दे सकती है और एक साल में एक से ज्यादा बार अण्डे देती है। पर इसके लिए बचे हुए टर्टल को ढूंढना जरुरी है। मादा यैंगसी जाएंट सॉफ्ट शैल टर्टल का ऊपर दिया गया चित्र सन् 2020 में लिया गया था।

छवि परिवर्तन कार्यक्रम के तहत रिजिजू को विधि मंत्रालय से हटाया गया

प्र.मंत्री इस मंत्रिमण्डलीय परिवर्तन से यह ''मैसेज'' देना चाहते हैं कि, सरकार ''जुडिशिएरी'' (सुप्रीम कोर्ट) से संबंध सुधारना चाहती है, जो पिछले दिनों काफी तनावपूर्ण हो गये थे

- पहली बार विधि मंत्रालय का कार्यभार एक राज्य मंत्री (स्वतंत्र चार्ज) को दिया गया है। यह भी संकेत है कि, सरकार अपनी विधि संबंधी नीतियों में संशोधन करने की इच्छुक है।
- निवर्तमान विधि मंत्री रिजिजू की लगातार सुप्रीम कोर्ट से रस्सा कशी चलती रही है, कोलीजियम सिस्टम को लेकर।
- सुप्रीम कोर्ट की दो सदस्यीय बैंच ने जजों की नियुक्ति व तबादलों में देरी किए जाने पर आपत्ति की थी, और प्रशासनिक व न्यायिक कार्यवाही की चेतावनी भी दी थी।
- निवर्तमान राज्य विधि मंत्री को हटाने के लिये भी यह तर्क दिया गया है कि, जब विधि मंत्री स्वयं राज्य मंत्री होता है तो, उप मंत्री की नियुक्ति नहीं की जा सकती।
- पर, सच है कि, निवर्तमान विधि राज्य मंत्री ने टिप्पणी की थी कि, बहुत कम मुसलमान उदारवादी होते हैं और, जो दिखते भी हैं, केवल उदारवाद का मुखौटा पहनते हैं।
- यह टिप्पणी उस समय आयी, जब मोदी व भाजपा मुसलमानों की तरफ मित्रता का हाथ बढ़ाने की कोशिश कर रही है और प्र.मंत्री को नयी छवि में प्रस्तुत करने का प्रयास हो रहा है।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 मई। देश की न्याय पालिका के साथ अपनी सरकार के संबंध बेहतर बनाने तथा सरकार की छवि सुधारने की समझी-सोची कोशिश के अंतर्गत, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज न केवल विधि मंत्री किरन रिजीजू को हटा दिया, बल्कि विधि राज्य मंत्री एस.पी. बघेल को भी शिफ्ट कर दिया।

जहां रिजीजू अपेक्षाकृत कम महत्वपूर्ण ''अर्थ साइंसेज'' मंत्रालय में भेज दिये गये हैं, वहीं बघेल को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में भेज दिया गया है। ज्ञातव्य है कि रिजीजू को विधि मंत्रालय में कैबिनेट मंत्री के रूप में प्रोन्नत किये अभी एक साल भी नहीं हुआ था।

अभी हाल ही हुये कर्नाटक विधानसभा चुनावों में हुई जबरदस्त पराजय के बाद भाजपा ने यह चकित कर देने वाली कार्यवाही की है, वो भी आम चुनावों से ठीक एक साल पहले। प्रधानमंत्री मोदी मृदुभाषी अर्जुनराम मेघवाल को विधि एवं न्याय मंत्रालय में ले आये हैं ताकि न्याय पालिका के साथ तनावपूर्ण संबंध सुधर सकें।

रिजीजू, जो सरकार अत्यधिक उच्च कोटि के मंत्रियों से एक तथा सरकार के संकट मोचक माने जाते थे, को प्रोन्नत कर कैबिनेट मंत्री के रूप में विधि मंत्रालय भेजे हुये अभी एक साल भी पूरा नहीं हुआ था।

मेघवाल संसदीय मामलों के प्रभारी राज्य मंत्री हैं, के पास अब विधि मंत्रालय का स्वतंत्र प्रभार भी रहेगा। अगर तथ्य परक बात करें तो हाल ही के इतिहास में यह ऐसा पहला अवसर होगा, जब विधि मंत्री कैबिनेट दर्जे का मंत्री नहीं होगा। यह तथ्य न्याय पालिका के लिये इस बात का एक गूढ़ संदेश भी है कि मोदी सरकार अब तक हुए नुकसान की भरपाई के लिये भी तैयार

(शेष पृष्ठ 5 पर)

ममता बनर्जी ''पटाखा फैक्टरी'' में बम विस्फोट की जांच एन.आई.ए. को सौंपने को क्यों राजी हो गयीं?

यह आम धारणा है कि, तथाकथित ''पटाखा फैक्टरी'' में असल में बम बनाये जाते थे तथा गैर कानूनी फैक्टरी का मालिक तृणमूल कांग्रेस का नेता तथा पंचायत का मुखिया है

- मालिक ''विस्फोट'' के बाद उड़ीसा भाग गया, कुछ समय तक गिरफ्तारी टालने के लिये।
- क्षेत्र में इस विस्फोट की घटना से काफी रोष है, क्योंकि मृतकों व घायलों की संख्या काफी अधिक है।
- तृणमूल पार्टी की टीम, जो गांव को ''विज़िट'' करने जा रही थी, उसे गांव में प्रवेश नहीं करने दिया।
- इस वातावरण को ठण्डा करने के लिये ममता बनर्जी ने विस्फोट काण्ड की जांच केन्द्रीय जांच एजेंसी एन.आई.ए. को सौंपने का निर्णय लिया।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 मई। इस समय पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस का समय अच्छा नहीं चल रहा है। आज सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य सरकार के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसके तहत फिल्म ''केरल स्टोरी'' पर रोक लगा दी गई थी। अदालत ने सरकार की इस दलील को अमान्य कर दिया कि इस फिल्म के प्रदर्शन से राज्य की कानून व्यवस्था की स्थिति प्रभावित हो सकती है।

यह मात्र एक हठधर्मिता थी कि इस फिल्म के प्रदर्शन से राज्य के मुसलमान उग्र हो जायेंगे। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि कानून व्यवस्था को बनाये रखना राज्य सरकार का कर्तव्य एवं दायित्व है।

विपक्ष का मानना है कि अन्य किसी कारण से न सही, केवल अपने कथन एवं अंदेशे को उचित ठहराने तथा प्रमाणित करने के उद्देश्य से सत्तारूढ़ दल स्वयं ही विरोध प्रदर्शन आयोजित कर सकता है तथा उन्हें प्रोत्साहित कर सकता है तथा कानून व्यवस्था की स्थिति को प्रमाणित कर सकता है।

लेकिन सर्वोच्च न्यायालय का यह आदेश तृणमूल कांग्रेस की वर्तमान परेशानी का एक छोटा सा अंश मात्र है। पिछले दो दिनों में, बंगाल की राजनीति की स्थिति बड़ी खराब स्थिति में रही है तथा पटाखे बनाने वाली एक अवैध फैक्ट्री में हुये बहुत बड़े विस्फोट की घटना से सरकार बुरी तरह झुलसी हुई है। यह विस्फोट इतना ताकतवर था कि कोई भी इस बात पर विश्वास नहीं कर पाया कि यह पटाखे बनाने के सामान में हुआ है। यह एक सामान्य ज्ञान एवं

(शेष पृष्ठ 5 पर)

ग्रैनाईट की खदान में दबने से श्रमिक की मौत

मालपुरा, 18 मई (निसं)। लाम्बाहरिसिंह थाना क्षेत्र के रूपाहेली गांव के पास संचालित ग्रैनाईट की खदान में पत्थर की चट्टान गिरने से एक श्रमिक की दर्दनाक मौत हो गई।

सूचना पर पहुंची लाम्बाहरिसिंह थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मालपुरा अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। थानाधिकारी भागीरथ सिंह ने बताया कि, रूपाहेली के पास संचालित, धरती जतन ग्रैनाईट की खदान में चट्टान के नीचे एक श्रमिक के दबने की सूचना मिलने पर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और जे.सी.बी. की सहायता से चट्टान को हटाकर शव को कब्जे में लिया और मालपुरा

- बताया जाता है, श्रमिक चट्टान के नीचे दब गया था। अब मृतक के परिजन 20 लाख रूपये की आर्थिक सहायता की मांग को लेकर धरने पर बैठे हैं।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

शिव कुमार अपनी शर्त पर उपमुख्यमंत्री पद संभालने को तैयार हुए

कर्नाटक मंत्रिमण्डल में अब केवल एक उपमुख्यमंत्री होगा, हालांकि खड़गे स्वयं, एक दलित को और मु.मंत्री बनवाना चाहते थे।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 मई। कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार राज्य के एकमात्र उपमुख्यमंत्री के रूप में अंततः कर्नाटक सरकार में शामिल हो गए। जिसके मुख्यमंत्री हैं सिद्धारमैया कर्नाटक के नए मुख्यमंत्री होंगे।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे चाहते थे कि दो उपमुख्यमंत्री बनाए जाएं जिनमें से एक दलित समुदाय का हो। लेकिन उन्होंने शिवकुमार एक ही उपमुख्यमंत्री की मांग स्वीकार कर लीं।

कांग्रेस, महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल ने यहाँ एक प्रैस कॉन्फ्रैंस में कहा कि, खड़गे ने अपना निर्णय बताने के लिए उन्हें (वेणुगोपाल) अधिकृत किया है। उन्होंने कहा, संसद के चुनाव सम्पन्न होने तक शिवकुमार कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष पद पर बने रहेंगे। कांग्रेस महासचिव एवं कर्नाटक प्रभारी-रणदीपसिंह सुरजेवाला, जिन्होंने वेणुगोपाल के साथ ए.आई.सी.सी. मुख्यालय पर पत्रकारों को संबोधित किया, ने कहा, पत्रकार नाराज़ हैं कि कांग्रेस ने निर्णय जल्दी क्यों नहीं लिया। सुरजेवाला ने कहा, यह मीडिया का अधिकार है, ''हम आपके परिवार का हिस्सा हैं। हम आपको प्यार करते हैं, आप हमें प्यार करते हैं। यही कांग्रेस है।''उन्होंने कहा कि, गुरुवार शाम को कांग्रेस विधायकों की एक औपचारिक बैठक बैंगलुरू में आयोजित की जाएगी, जिसमें विधायक पार्टी आलाकमान को मुख्यमंत्री चयन का अधिकार देंगे। रविवार को मुख्यमंत्री की घोषणा होगी। नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 20 मई को दोपहर 12.30 बजे होना है। टाइम का यह अंतर इसलिए रखा गया है ताकि विभिन्न विपक्षी दलों के नेता शपथ ग्रहण कार्यक्रम में शामिल हो पाएं।

बंगाल में ''द केरल स्टोरी'' से प्रतिबंध हटा

नई दिल्ली, 18 मई (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने फिल्म द केरला स्टोरी के प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगाने वाले पश्चिम बंगाल सरकार के आठ मई के आदेश पर गुरुवार को रोक लगा दी।

मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ और और न्यायमूर्ति पी. एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला की पीठ राज्य सरकार के आदेश पर यह कहते हुए रोक लगा दी कि इस पर प्रतिबंध का पर्याप्त आधार

- सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि, फिल्म में प्रतिबंध लगाने जैसा कोई मुद्दा नज़र नहीं आता। सुप्रीम कोर्ट की बैंच ने खुद भी फिल्म देखकर इस बात का परीक्षण करने का फैसला किया है।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

द्रविड़ पार्टियाँ, द्रमुक व अन्नाद्रमुक काफी प्रसन्न हैं, भाजपा की कर्नाटक में हार से

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष अन्नामलाई बार-बार गठबंधन साथी अन्नाद्रमुक को पिन चुभो रहे थे। पर, कर्नाटक के उन तमिल भाषी क्षेत्रों, जिनमें चुनाव की जिम्मेवारी प्रदेशाध्यक्ष को सौंपी गयी थी, में भाजपा का प्रदर्शन बहुत खराब रहा है

- अन्नाद्रमुक इस घटनाक्रम से आल्हादित है तथा भाजपा के राष्ट्रीय नेताओं पर दबाव बना रही है, प्रदेशाध्यक्ष पर लगाम कसी जाये।
- दूसरी ओर प्रदेशाध्यक्ष अन्नामलाई ने द्रमुक के मुख्यमंत्री और उनके परिवार के खिलाफ भी भ्रष्टाचार के भारी आरोप लगाये थे और जवाब में द्रमुक ने भी काफी शोर मचाया था कि, कर्नाटक चुनाव में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष भारी रकम ले जाते हुए पकड़े गये, हालांकि चुनाव आयोग ने इस आरोप को जांच के बाद मिथ्या बताया था। पर, अब द्रमुक चाहती है कि, कर्नाटक की राज्य सरकार इस आरोप की नये सिरे से जांच करे।
- तमिलनाडू से 39 सांसद निर्वाचित होते हैं, अतः यह राज्य लोकसभा चुनाव की दृष्टि से भाजपा के लिये भारी महत्व रखता है, विशेषकर इसलिये भी, क्योंकि संभावना है कि, संसदीय चुनाव में उत्तर भारत में भाजपा कुछ सीटें खो सकती है।
- भाजपा की इस मजबूरी का भी द्रविड़ पार्टियाँ आनंद ले रही हैं।

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 मई। कर्नाटक विधानसभा चुनाव नतीजे, जिसमें भाजपा को करारी हार मिली है, का त्वरित प्रभाव तमिलनाडु में विपक्षी दलों अन्नाद्रमुक और भाजपा पर देखा गया है। जहां दोनों दलों के बीच तनावपूर्ण ही सही किन्तु आवश्यक गठबंधन है।

दोनों दलों के बीच तनाव इतना बढ़ गया है कि तमिलनाडु के भाजपा प्रमुख के. अन्नामलाई ने तो यहां तक कह दिया कि बेहतर होगा पार्टी अकेले चुनाव लड़े, हालांकि दिल्ली में बैठा पार्टी नेतृत्व इसके पक्ष में नहीं है। अन्नाद्रमुक ने भी तब करारा जवाब दिया था तथा उन्हें राजनीति में नौसिखिया और बचकाना करार दिया था और फिर भाजपा के केन्द्रीय नेतृत्व को दखल देना पड़ा, ताकि गठबंधन चलता रहे।

लेकिन वर्तमान स्थिति यह है कि कर्नाटक विधानसभा चुनावों में भाजपा ने अन्नामलाई को जो क्षेत्र दिए थे, वहाँ भाजपा का प्रदर्शन बहुत ही खराब रहा। पार्टी ने उन्हें यह जिम्मेवारी अपनी योग्यता साबित करने के लिए दी थी। और अब जब अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए सीटों के बंटवारे में अन्नाद्रमुक निस्संदेह ज्यादा दबाव डालेंगे। कर्नाटक की हार ने अन्नाद्रमुक पर दबाव डालने की भाजपा की क्षमता कम कर दी है। भाजपा, जो कि अन्नाद्रमुक पर दबाव डाल रही थी कि अलग हुए गुटों को पार्टी में वापस लिया जाए, अब ऐसा नहीं कर पाएगी। अन्नाद्रमुक नेता खुश है कि तमिलनाडु से संबंधित दोनों भाजपा नेता अन्नामलाई और सी.टी. रवि, जो भाजपा के राष्ट्रीय सचिव हैं और तमिलनाडु के प्रभारी हैं, कर्नाटक में बुरी तरह असफल रहे हैं। सी.टी. रवि तो खुद चिकमंगलूर से प्रत्याशी थे, पर हार गए। कोलार और मांड्या जिलों, जहाँ काफी तादाद में तमिल आबादी रहती हैं, में भाजपा को एक भी सीट नहीं मिली। यहाँ प्रचार का जिम्मा अन्नमलाई को दिया गया था।

अन्नमलाई कर्नाटक व तमिलनाडु

(शेष पृष्ठ 5 पर)

जल्लीकट्टू व बैलगाड़ियों की रेस को स्वीकृति मिली

नई दिल्ली, 18 मई (वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को सांडों को वश में करने के पारंपरिक खेल जल्लीकट्टू से संबंधित कानून को न्याय संगत बताते हुए इससे संबंधित तमिलनाडु, कर्नाटक और महाराष्ट्र के कानून की वैधता को गुरुवार को बरकरार रखा।

न्यायमूर्ति के एम जोसेफ, और न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस, न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी, न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति सी.टी. रविकुमार की संविधान पीठ ने तमिलनाडु के साथ इस प्रकार के पारंपरिक खेल से संबंधित महाराष्ट्र और कर्नाटक के कानूनों में पर भी अपनी मुहर लगाई। शीर्ष अदालत ने कहा कि जल्लीकट्टू पिछले कुछ सदियों से राज्य में चल रहा है और राज्य

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि, राज्य द्वारा पारित कानून में जानवरों के प्रति क्रूरता का ध्यान रखा गया है।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

विचार बिन्दु

पूरे यत्न से इतिहास की रक्षा करनी चाहिए, इतिहास और अपना प्राचीन गौरव नष्ट कर देने से विनाश निश्चित है। –महाभारत

सावधान! जलवायु परिवर्तन से पृथ्वी संकट में।

जलवायु परिवर्तन का संकट किसी एक देश का नहीं है अपितु धरती के सभी देश इस संकट से ग्रसित हैं। यह ग्लोबल संकट है, अत: प्रत्येक व्यक्ति को जो कुछ वह कर सकता है, देश के विकास व खुशहाली के लिये, करना चाहिये।

हमारी धरती संकट में है। कार्बन उत्सर्जन के फलस्वरूप जलवायु परिवर्तन के कारण खाद्यान्न, सुरक्षा, आजीविका, पानी, पर्यावरण, बीज, स्वास्थ्य और धरती पर विपरीत असर पड रहा है। कहीं तूफान है, तो कहीं पर सूखा है। कहीं भुखमरी है तो कहीं मानव व जानवर बीमारियों से झूझ रहे हैं। नई-नई बीमारियां फैल रही हैं। नदियां सूख रही हैं। पहाड पिघल रहे हैं, पीने का पानी जहर बनने जा रहा है। मौसम बदल रहे हैं। तूफान और बाढ से बस्तियों का अस्तित्व ही समाप्त हो गया है, समुद्र अपनी सीमा लांघ चुका है। अनाज की पैदावार कम हो गई है, धरती बंजर बनती जा रही है। जून 1992, रियो डी जेनिरो में पृथ्वी सम्मेलन (Earth Summit) हुआ जहां तापमान 1.5 डिग्री से. से अधिक बढने से सभी 122 देश चिंतित थे। सबको यह जानकारी दी गई कि 1.5 डिग्री से. से 2 डिग्री से. तक या इससे अधिक तापमान बढा तो स्थिति भयंकर हो सकती है। संसार के देशों के मध्य क्यूटो प्रोटोकॉल हुआ, इससे भी सफलता नहीं मिली। पेरिस एग्रीमेन्ट ने जरूर कुछ आशायें जगाई हैं। किन्तु यह स्व:विवेक पर आधारित है। इसे लागू करने की कोई प्रक्रिया नहीं है। भविष्य अंधकार में है। सन 1992 में जो मिटिंग हुई थी उसे संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण एवं विकास सम्मेलन (United Nations Conference on Environment and Development-UNCED) का नाम दिया गया है इसे Earth Summit (पृथ्वी सम्मेलन) भी कहते हैं। इस संबंध में जो सम्मेलन हुआ उसे संयुक्त राष्ट्र का प्रारूप सम्मेलन नाम दिया। इस संबंध में होने वाले सम्मेलन को कॉप कहते हैं। इसका अर्थ है 'कॉन्फरेन्स ऑफ पीपुल्स'।

मानव के अधिकारों की घोषणा से संयुक्त राष्ट्र संघ का जन्म हुआ। मानव के अधिकारों में मानव के गरिमा मय जीने के अधिकार को मजबूत आधार मिला। सतत विकास के लक्ष्य पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन का रियो (2012) का परिणाम दस्तावेज हमारी भविष्य का कल्पना है और सतत विकास के 17 लक्ष्य व 169 निर्देश निर्धारित किये गये हैं, वे हमारा मार्ग प्रशस्त करेंगे। इसके द्वारा मानववादी संस्कृति से आगे बढकर धरती माँ के अधिकारों पर अपनी सोच को विस्तार दिया है। मानव के अतिरिक्त अन्य भी प्राणी हैं जो मिलकर पृथ्वी को बनाते हैं। हमने तो नदियों को भी प्राणी माना है। हमने धरती का अविवेकपूर्ण दोहन किया है जबकि सभी प्राणियों को समान अधिकार है। हमारी संस्कृति का मूल मंत्र है, **''सर्वे भवन्तु सुखिन: सर्वे सन्तु निरामया, सर्वे भद्राणी पश्यन्तु मा कश्चिदु:ख भाग्यभवेत''**। इसी मूल मंत्र से हमें धरती को बचाना है।

Earth Summit (पृथ्वी सम्मेलन) से अभी तक कार्बन उत्सर्जन को कम करने का कोई उपाय हमने नहीं के बराबर किया है। हमारे पापों के कारण जैव विविधता को बचाने में हम समर्थ नहीं दिखाई दे रहे हैं। जैव विविधता में लगभग एक मिलियन प्रजातियां एजम्पो समाप्त (विलोपित) होने के कगार पर हैं। 22 अप्रेल, 2023 को मदर अर्थ डे (Mother Earth Day) मनाया है अन्तर्राष्ट्रीय दिवस 22 मई को है इस दिन हमें जैव विविधता को पुन: उसी स्थिति में लेकर आने का संकल्प लेना है।

वर्तमान में भारत में उत्तर व अन्य हिमालय रीजन में जो तूफान आये हैं, जो बरबादी हुई है, हिमालय पिघला है, धरती हिली है। मोका तूफान ने राजस्थान में भीषण गर्मी के दिनों को (मई माह में) भी सर्दी का अहसास कराया है। इन प्रकृति के ताण्डवों ने यह प्रमाणित कर दिया है कि जलवायु परिवर्तन सच्ची घटना है।

सन 1992 से अप्रेल 2023 तक कुछ अधिक नहीं कर पाये हैं, किन्तु हमें प्रयत्न करना होगा कि कार्बन उत्सर्जन पेरिस एग्रीमेन्ट के अनुसार हो पाये और किसी भी कीमत पर 2 डिग्री से. को छू नहीं सके।

भारत में जलवायु परिवर्तन के कारण जो पर्यावरण की स्थिति है, बहुत नाजुक दौर में है। कोयले के स्थान पर पानी हवा सूर्य की एनर्जी से देश में बिजली बनाने का वैकल्पिक कार्य अच्छी गति से चल रहा है। जंगलों के विस्तार का भी देश की सरकार ने काम किया है किन्तु उसे सन्तोषजनक नहीं कह सकते हैं। संसार के विकसित देश 80 प्रतिशत कार्बन उत्सर्जन के लिये उत्तरदायी हैं, इस स्वीकृत स्थिति है। अत: जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाले नुकसान के वे ही जिम्मेदार हैं, किन्तु छोटे देश जिनका कोई कसूर नहीं है, वे यह जानकर हैरान हैं कि उन्हें किस पाप की सजा दी जा रही है।

क्योटो प्रोटोकॉल अथवा पेरिस एग्रीमेन्ट अथवा अन्य संधि में कहीं भी इस बात का उल्लेख अथवा प्रावधान नहीं है कि यदि कोई मेम्बर अन्तर्राष्ट्रीय एग्रीमेन्ट के प्रावधानों की अवज्ञा करता है तो उसके विरूद्ध कोर्ट की कार्यवाही का क्या प्रावधान है? क्योटो प्रोटोकॉल में प्रावधान है, केस आर्बीट्रेशन में जा सकता है, किन्तु आर्बीट्रेशन उसी समय प्रभावशील होगा जब आरोपी आर्बीट्रेशन को स्वीकार करे। इसका अर्थ है कानूनी कार्यवाही अथवा कोर्ट की कार्यवाही सम्भव नहीं है। एक छोटे से देश Vanuatu जो जलवायु परिवर्तन से पीडित है ने इस संबंध में एक रेजोल्यूशन (प्रस्ताव) यूएन असेम्बली में पारित कराया है कि इस बाबत International Court of Justice से कानूनी सलाह (Legal Opinion) ली जावे। इसके अतिरिक्त Internatinoal Tribunal on Climate Change Dispute की स्थापना हो इस बाबत उचित कार्यवाही करें। साधारण रूप में हमारे देश में अनुच्छेद 21 और 1966 के सिविल कॉवेनेन्ट जैसा प्रावधान लगभग सभी देशों के संविधान में है। प्रदूषण के कारण कोई विवाद है तो वह मानव अधिकारों को प्रभावित करता है। संविधान में जो मौलिक अधिकार दिये हैं तथा राज्य की नीति के निदेशक तत्व में जो सामाजिक व आर्थिक अधिकार माने जाते हैं वे सब मानव अधिकार ही हैं। मानव अधिकार डोमेस्टिक कोर्ट (Domestic Court) में प्रवर्तनशील है। यहां पर मानव अधिकार का उल्लंघन है, अत: एक देश अन्तर्राष्ट्रीय कोर्ट ऑफ जस्टिस में न्याय प्राप्त करने के लिये जा सकता है। यह भी रास्ता न्याय प्राप्त करने का हो सकता है कि अन्तर्राष्ट्रीय कोर्ट ऑफ जस्टिस से अनुमति प्राप्त कर कोर्ट में कार्यवाही की जावे। सतत विकास के लक्ष्य में गोल-15 में जीवन व जमीन के अधिकार की बात का उल्लेख है, उसे अधिकार माना गया है। अर्थ डे, 22.04.2023 पर यूएन सेक्रेटरी जनरल एन्टोनिओ गेटेरेस (Antonio Guterres) ने सब मेम्बर देशों को संदेश भेजकर निर्देश दिये हैं कि SDG kesâ 15Jesb Goal cesb Biodiversity Loss की बात है और इसे Biological Diversity से पानी, दवा, शेल्टर आदि के सन्दर्भ में जीवन को Sustain करने के हेतु आवश्यक माना है। जैव विविधता समाप्त होने की कगार पर है, 100 मिलियन हेक्टेयर फोरेस्ट भूमि समाप्त हो रही है तथा 150 मिलियन हेक्टेयर उपजाऊ भूमि के नुकसान से फूड व पीने के पानी की सुरक्षा को खतरा है। इससे उक्त देश के निवासियों के अधिकार खण्डित हुये हैं।

भारत की सिविल सोसायटी सिकोयडिकोन, पैरवी व वियोण्ड कॉपनहेगन ने और अब मौसम ने कॉप की कोर्नर मिटिंग्स् में सुझाव रखा था कि पेरिस एग्रीमेन्ट को सफल बनाना है तो उसे प्रवर्तनकारी बनाना होगा। भारत की उक्त सिविल सोसायटीज ने ब्रिटेन की सोसायटी से मिलकर अन्तर्राष्ट्रीय ट्रिब्यूनल की स्थापना के हेतु कुछ कदम उठाये थे। यहां तक कि अन्तर्राष्ट्रीय ट्रिब्यूनल की स्थापना की मांग के साथ, ऐसी पर्यावरण ट्रिब्यूनल का विधान भी बनाया था और इस बात की सहमति हुई थी कि उसका कार्यालय भारत के मुम्बई शहर में होगा। भारत के पर्यावरण मंत्री स्व. अनिल माधव दवे को एक रिप्रेजेन्टेशन भी प्रस्तुत किया था, किन्तु उनके निधन के कारण यह बात आगे बढ नहीं सकी। पुन: इस ओर कदम उठाने का काम प्रारम्भ हो चुका है, जिसका उल्लेख अन्तर्राष्ट्रीय पर्यावरण विशेषज्ञ सोमदत्ता के पत्र दिनांक 30.03.2023 से हुआ है। भारत की उक्त सिविल सोसायटीज को पुन: इस ओर कदम उठाना होगा और जो प्रस्ताव यूएन जनरल एसेम्बली में पारित हुआ उसे लागू कराने पर जोर देना होगा। प्रदूषण फैलाने वाले देशों के विरूद्ध क्या कार्यवाही की जा सकती है, इस प्रश्न पर अन्तर्राष्ट्रीय कोर्ट ऑफ जस्टिस से राय ली जावे कि दोषी देशों के विरूद्ध क्या कार्यवाही हो।

वर्तमान में भारत में उत्तर व अन्य हिमालय रीजन में जो तूफान आये हैं, जो बरबादी हुई है, हिमालय पिघला है, धरती हिली है। मोका तूफान ने राजस्थान में भीषण गर्मी के दिनों को (मई माह में) भी सर्दी का अहसास कराया है। इन प्रकृति के ताण्डवों ने यह प्रमाणित कर दिया है कि जलवायु परिवर्तन सच्ची घटना है।

सावधान! पृथ्वी संकट में है।

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

सांभर मे रोड लाइटें बंद होने से लोग परेशान

सांभरझील, (निसं)। यहां नया बस स्टैंड से कृषि उपज मंडी व पांच बत्ती चौराहा से न्यू मार्केट की तरफ जाने वाले रास्ते तक संपूर्ण रोड लाइटें विगत कई दिनों से देर तक चालू नहीं की जा रही है। शुक्रवार को भी देर शाम करीब 8 बजे तक रोड लाइटें चालू नहीं हो सकी थी। रोड लाइटें बंद होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

- **पैसा बचाने के लिए सांभर पालिका ने रोड लाइटों में कटौती की**

पांच बत्ती चौराहा पर सौंदर्यीकरण के नाम पर जिस खूबसूरत लाइट को करीब 50 हजार से अधिक खर्च कर लगवाया गया था। उसका भी कुछ सार्थक परिणाम निकल के सामने नहीं आ रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पालिका की ओर से निगम की चल रही बकाया राशि का भुगतान का मामला अभी पूरी तरह साफ नहीं हुआ है और रोड लाइटें देर तक बंद रखकर पालिका की ओर से आर्थिक बचत किए जाने की जुगाड़ की जा रही है, ताकि रोड लाइटों का बिल कम से कम आए जबकि इन रोड लाइटों का नियमानुसार पैसा आम जनता से नगरीय उपकर में जोड़कर भी वसूला जाता है। लोगों का कहना है कि यदि पालिका प्रशासन रोड लाइटें और सफाई व्यवस्था पर ही पूरा रखरखाव नहीं कर पाती है तो फिर इस डिपार्टमेंट को सरकार को रखने का औचित्य ही क्या है। इस मामले में न तो यहां के जनप्रतिनिधि कोई विरोध कर रहे हैं और न ही लंबे समय से प्रशासन की ओर से कुछ समाधान किया जा रहा है।

सांभर पालिका क्षेत्र में कई जगहों पर रोड़ लाईट बन्द रहने से आमजन को परेशानी हो रही है।

महंगाई राहत शिविरों में रजिस्ट्रेशन के लिए नाममात्र लोग पहुंच रहे हैं

पावटा, (निसं)। मुख्यमंत्री महंगाई राहत शिविरों में अब सन्नाटा पसरने लग गया है। स्थिति यह है कि नाममात्र के लोग रजिस्ट्रेशन के लिए पहुंच रहे हैं।

- **नगरपालिका का दावा है कि 9100 परिवारों में से 7400 ने करवाया पंजीकरण**

पावटा प्रागपुरा नगरपालिका का दावा है कि नगरपालिका क्षेत्र के 9100 परिवारों में से 7400 से अधिक परिवारों के रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं। नगरपालिका क्षेत्र में नगरपालिका परिसर में स्थाई और वार्डों के तहत आदर्श रामलीला मैदान पावटा में एक अस्थाई मुख्यमंत्री महंगाई राहत शिविर का आयोजन 24 अप्रेल से नियमित जारी है। स्थिति यह है कि गुरुवार को दोपहर करीब 12 बजे आदर्श रामलीला मैदान पावटा शिविर में लगाई गई अधिकांश कुर्सियां खाली रही।

उल्लेखनीय है कि शिविरों में भीड़ उमड़ने के कारण पूर्व में अतिरिक्त काउंटर लगाने पडे थे। अस्थाई शिविर के कारण थोड़ी भीड़ कम हुई है। अस्थाई शिविर अन्य वार्डों में लगने पर फिर से भीड आने लगेगी। वहीं शिविर में जोधपुरा निवासी चंदूलाल, भैसलाणा निवासी कैलाश चंद, पावटा निवासी मोतीलाल, काशीराम लंबोरा सहित ग्रामीणों ने बताया कि शिविर में आते हैं लेकिन 11 बजे तक अधिकारी नहीं आते हैं। ई-मित्र संचालकों व कर्मचारियों के भरोसे शिविर चल रहे हैं। कई महिनों से पट्टों को लेकर चक्कर काट रहे है।

पावटा में महंगाई राहत शिविर में लोगों के नहीं पहुंचने से कुर्सियां खाली रही।

हड़ताल पर चल रही महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

करौली, (निसं)। अपनी विभिन्न मांगों को लेकर हड़ताल पर चल रही महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन करते हुए जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है।

तीन सूत्रीय मांगों को लेकर जिले की महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता इन दिनों हड़ताल पर हैं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को करौली कलेक्ट्रेट के बाहर प्रदर्शन कर जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा।

उन्होंने मूल ग्रेड पे 3600, पदनाम परिवर्तन और पदोन्नति की मांग की इस दौरान महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने सरकार पर उनकी मांगों की अनदेखी करने और काम का बोझ बढ़ाने का भी आरोप लगाया महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता ज्योति, रानी जादौन, सुनीता, आशा सैन, शायना, प्रभा कौशिक, ममता, प्रियंका, सपना सहित कई अन्य महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने बताया कि महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता वेतनमान बढ़ाने और ग्रेड पे 3600 कि लंबे समय से मांग कर रही है।

- **महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा**

महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता का कम मानदेय पर काम कर रही हैं जिससे उन्हें आर्थिक तंगी के कारण परेशानियों का सामना करना पड़ता है। परिवर्तन करने और अन्य पदों पर पदोन्नति की मांग कर रही है। स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने बताया कि हैं उनकी सरकार पर किसी प्रकार का आज भी भार नहीं पड़ेगा लेकिन फिर भी उनकी मांगों को नही सुना जा रहा है। उन्होंने ज्ञापन सौंपकर जल्द से जल्द मांग पूरी करने की गुहार लगाई है महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता गत 1 मई से लगातार हड़ताल पर चल रही हैं।

मांगों को लेकर हड़ताल पर चल रही महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया।

पार्क में मिलीं नशीले पदार्थों की खाली बोतलें

अनूपगढ, (कासं)। क्षेत्र में अब नशा करने वाले लोग सार्वजनिक स्थानों पर नशा करने लग गए हैं। गुरुवार अनूपगढ़ के वार्ड नंबर 21 स्थित अंबेडकर पार्क में नशीले पदार्थों की खाली बोतलें मिलने पर वार्डवासियों ने रोष व्यक्त करते हुए इसकी सूचना पालिकाध्यक्ष प्रियंका बैलान को दी।

सूचना मिलने पर पालिका अध्यक्ष प्रियंका बैलान और पार्षद संजय अरोड़ा ने मौके पर पहुंचकर पार्क का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वार्ड के लोग इकट्ठा हो गए। निरीक्षण के बाद पालिकाध्यक्ष ने मौके पर पुलिस बुलाई और नशे के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। महिलाओं ने बताया कि इस पार्क में लगभग 6 वार्डों के लोग घूमने के लिए आते हैं। मगर आए दिन यहां नशेड़ियों का जमावड़ा लगा रहता है। जिससे महिलाओं को पार्क में घूमते समय काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। पालिकाध्यक्ष प्रियंका बैलान ने बताया कि अंबेडकर पार्क में शराब और मेडिकेटेड नशे की खाली बोतलें मिली हैं और वार्डवासियों ने बताया कि यहां नशे के खाली इंजेक्शन भी मिले हैं। पालिकाध्यक्ष बैलान ने इसकी सूचना अनूपगढ़ पुलिस थाने में दी। सूचना मिलने पर एसआई हंसराज और एएसआई कालूराम मौके पर पहुंचे। पुलिस के पहुंचने पालिकाध्यक्ष, वार्ड पार्षद, महिलाओं और वार्ड वासियों पुलिस के समक्ष रोष प्रकट करते हुए नशे के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। एसआई हंसराज ने बताया कि पुलिस लगातार नशे की खिलाफ कार्रवाई कर रही है। इस मामले में भी आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा। उन्होंने अंबेडकर पार्क में नशीले पदार्थों की खाली बोतले मिलने पर जनप्रतिनिधियों और वार्डवासियों का आश्वासन दिया है कि इस क्षेत्र में पुलिस की गश्त बढ़ा दी जाएगी और नशे के खिलाफ कार्रवाई को और भी तेज किया जाएगा।

- **लोगों ने जताया आक्रोश पालिकाध्यक्ष को मौके पर बुलाया, पुलिस से कार्रवाई की मांग की**

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शुक्रवार 19 मई, 2023

ज्येष्ठ मास, कृष्ण पक्ष, अमावस्या, शुक्रवार, विक्रम संवत 2080, भरणी नक्षत्र प्रात: 7:29 तक, शोभन योग सांय 6:16 तक, चतुष्पद करण प्रात: 9:33 तक, चन्द्रमा दिन 1:55 से वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-मेष, मंगल-कर्क, बुध-मेष, गुरू-मेष, शुक्र-मिथुन, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज देव पितृकार्या अमावस्या, भावुका अमावस्या, बडपूजन अमावस्या, शनि जयन्ती, संत ज्ञानेश्वर जयन्ती है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:22 तक, लाभ-अमृत 7:22 से 10:43 तक, शुभ 12:23 से 2:04 तक, चर 5:25 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 5:41, सूर्यास्त 7:05

मेष
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

वृष
समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। मित्रों/रिश्तेदारों से अनबन बढ़ने का भय बना रहेगा। अनावश्यक धन खर्च होगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। आवश्यक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे।

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। दिन के मध्यान्ह पश्चात आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

सिंह
शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात वर्तमान में चल रही परेशानियां दूर होने लगेगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे।

कन्या
संभावित धन प्राप्ति में विलम्ब होगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में दुर्घटना का भय है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

तुला
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। दिन के मध्यान्ह पश्चात व्यावसायिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

वृश्चिक
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। दिन के मध्यान्ह पश्चात व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

धनु
परिजनों के व्यवहार के कारण मन में असंतोष बना रहेगा। महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है।

मकर
परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में वाद-विवाद बढ़ने का भय बना रहेगा। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित विवादों का निपटारा हो सकता है।

मीन
आर्थिक कारणों से अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

कलश का पूजन किया

भरतपुर (निस)। नवचेतना जागृति गायत्री महायज्ञ, शांति कुंज हरिद्वार के तत्वाधान में होने वाले 108 कुंडिय नवचेतना जागृति महायज्ञ भरतपुर गायत्री शक्तिपीठ द्वारा आयोजित किया जाएगा। इसी परिपेक्ष में भरतपुर जिले के वरिष्ठ गायत्री परिजनों द्वारा शांतिकुंज हरिद्वार जाकर यज्ञ की सफलता के लिए, सूक्ष्म में समाहित परम पूज्य गुरु देव पंडित रामशर्मा आचार्य व वंदनीय माता भगवती देवी के संरक्षण में बहिन शैलवाला पंड्या द्वारा शक्ति कलश भरतपुर गायत्री परिवार के परिजनों को दिया गया शक्ति कलश को हरिद्वार से भरतपुर आने पर रेलवे स्टेशन से भव्य शोभायात्रा के माध्यम से सभी गायत्री परिवार के परिजन व शक्ति स्वरूपा बहनों ने अपने सिर पर शक्ति कलश को धारण कर गायत्री शक्ति पीठ पर बैंडबाजोंके साथ पहुंचाया।इस अवसर पर देवेंद्र गुप्ता चामड़ प्रमुख ट्रस्टी गायत्री परिवार द्वारा सपत्नीक शक्ति कलश का पूजन किया गया तथा सभी से यज्ञ में शामिल होने की अपील की। इस अवसर पर उपजोन प्रभारी नरेन्द्र जोशी, डॉ जयसिंह कहरवाल, अनिल, पवन, डॉ सुशील पाराशर आदि सैकड़ों गायत्री परिवार के परिजन उपस्थित थे।

ग्रेड-पे बढ़ाने की मांग को लेकर ए.एन.एम. कार्मिकों ने रैली निकाली

भरतपुर (निस)। जिला कलेक्ट्रेट पर ग्रेड पे बढाने एवं पदनाम परिवर्तन की मांग को लेकर पिछले 18 दिनो से धरने पर बैठी एएनएम एलएचबी कार्मिकों ने अपनी मांगों को लेकर रैली निकाली। इस मौके पर भाजपा के जिला अध्यक्ष ऋशि बंसल, पूर्व जिला अध्यक्ष गिरधारी तिवारी ने धरना स्थल पहुंचकर एएनएम एलएचबी की समस्याओं को सुना।

जिला अध्यक्ष ऋषि बंसल, पूर्व जिला अध्यक्ष गिरधारी तिवारी ने कहा कि सरकार को एएनएम एलएचबी कार्मिकों की मांगों को मानना चाहिए। जिला कलेक्ट्रेट पर अपनी मांगों को लेकर पिछले 16 दिनों से एएनएम एलएचवी धरना दे रही है।

राजस्थान एएनएम एलएचबी एसोसिएसन की प्रदेष उपाध्यक्ष सरोज कुन्तल ने बताया कि पिछले 18 दिनों से एएनएम एलएचबी कार्मिक अपनी जायज मांगों को लेकर भीशण गर्मी के बावजूद धरना पद्रर्षन कर रही हैं। लेकिन सरकार एएनएम एलएचबी की मांगों पर कोई भी सकारात्मक रूख नहीं दिखा रही हैं। अगर ऐसे ही चलता रहा तो एएनएम एलएचबी उग्र आंदोलन को मजबूर होंगी। एएनएम एलएचबी के द्वारा भूख हडताल भी षुरू की जा सकती है। एएनएम एलएचबी संघ ऑफ राजस्थान की जिला अध्यक्ष सरोज कुन्तल ने बताया कि एएनएम एलएचवी महिला कार्मिकों की मांग है कि महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता का पदनाम पब्लिक हैल्थ नर्स ऑफिसर किया जाए।

भरतपुर में ग्रेड पे बढ़ाने की मांग को लेकर ए.एन.एम. कार्मिकों ने जिला अध्यक्ष सुमन चौधरी व सरोज कुन्तल (बाएं से पहली) के नेतृत्व में रैली निकाली ।

समस्याओं को लेकर चर्चा

भरतपुर (निस)। जिला व्यापार महासंघ के एक प्रतिनिधि मण्डल ने जिला महामंत्री नरेन्द्र गोयल के नेतृत्व में जुगल किषोर सैनी के निज निवास पर चिकित्सा राज्य मंत्री डॉ. सुभाश गर्ग से मुलाकात की और व्यापारिक समस्याओं को लेकर चर्चा की। प्रतिनिधि मण्डल में कोशाध्यक्ष जय प्रकाष बजाज, जिला प्रवक्ता विपुल षर्मा, प्रवीण जैन, अनिल हुण्डई, सतीष बजाज, सागर बजाज, जुगल किषोर सैनी इत्यादि व्यापारी थे।

जिला प्रवक्ता विपुल षर्मा ने बताया कि मंत्री सुभाश गर्ग से अनेक व्यापारिक समस्याओं को लेकर वार्ता हुई जिसमें मुख्य रूप से यू.डी. टैक्स व बिजली बिलों में स्थाई षुल्क व फ्यूल सरचार्ज बढाये जाने पर चर्चा हुई। यू.डी. टैक्स पर चर्चा कर व्यापारियों ने कुछ आपनी आपत्ति जताई जिस पर मंत्री महोदय ने षीघ्र ही संबंधित विभाग के अधिकारियों व मेयर के साथ संयुक्त मीटिंग कर समस्याओं के निराकरण का आष्वासन दिया।

बढे हुए बिजली के बिलों के संबंध में प्रतिनिधि मण्डल द्वारा मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन मंत्री सुभाश गर्ग को सौंपा।

सार-समाचार

जिला कांग्रेस कमेटी कि बैठक आज

करौली (नि.स.)। जिला कांग्रेस कमेटी करौली कि बैठक आज शुक्रवार को दोपहर 12:30 पर सर्किट हाउस करौली में आयोजित की जाएगी। जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व उपाध्यक्ष भूपेन्द्र भारद्वाज ने बताया कि आज शुक्रवार को जिला कांग्रेस कमेटी करौली के तत्वाधान में आगामी लोकसभा चुनावों की तैयारी के संदर्भ में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा नियुक्त संसदीय समन्वयक नटवर सिंह एलआरस्कड(लीडरशिप डेवलपमेंट मिशन) को लागू करेंगे।इसी संदर्भ में आने वाले चुनावों के लिए कांग्रेस पार्टी द्वारा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को लेकर रूपरेखा तैयार की जाएगी जिससे विधानसभा एवं लोकसभा चुनाव में कांग्रेश अपनी तैयारी शुरू कर सकें।बैठक मे जिला अध्यक्ष,सभी ब्लॉक अध्यक्ष,अग्रिम संगठन,युवा कांग्रेस,एनएसयूआई,महिला कांग्रेस,सेवादल संगठन के अध्यक्ष,विभाग प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सहित जिले के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे।

आवासीय विद्यालय शुरू होगा

करौली (नि.स.) करौली जिले के अन्धपुरा (आननपुरा) में देवनारायण बालिका आवासीय विद्यालय शैक्षणिक सत्र 2023-24 से शुरू होगा। इसके लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विद्यालय के लिए 23 नवीन पदों के सृजन के प्रस्ताव को स्वीकृति दी है। इस विद्यालय में 6 से 12 तक कक्षाएं संचालित होंगी जिसमें विद्यार्थी कक्षा 11 और 12 में विज्ञान संकाय में पढाई कर सकेंगे। नवीन पदों में प्रधानाचार्य का एक पद,व्याख्याता के 6 पद,वरिष्ठ अध्यापक के दो पद,अध्यापक लेवल-द्वितीय के तीन पद,शारीरिक शिक्षक ग्रेड-द्वितीय,पुस्तकालाध्यक्ष ग्रेड-तृतीय,कनिष्ठ लेखाकार,छात्रावास अधीक्षक ग्रेड-द्वितीय व लिपिक ग्रेड-द्वितीय के एक-एक पद, प्रयोगशाला सहायक व प्रयोगशाला सेवक के तीन-तीन पद शामिल होंगे साथ ही,चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी तथा चौकीदार के कार्य हेतु रेक्सको से भूतपूर्व सैनिक,संविदा अथवा गृह रक्षा स्वयंसेवक या नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवक की सेवाएं ली जाएंगी।

निरीक्षण किया

डीग (निस)। ग्राम पंचायत सावई और ग्राम पंचायत ब्राह्मण खेडा में आयोजित मंहगाई राहत कैम्प व्यवस्थाओं का कांग्रेसी नेता राजीव सिंह कुम्हेर के नेतृत्व में कांग्रेसी कार्यकर्ताओं द्वारा आमजन को मंहगाई से राहत लाने के उद्देश्य और सरकार की 10 महात्वाकांक्षी बजट घोषणाओं के सफल क्रियान्वयन की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। प्रशासन गांव के संग कैंपों में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों पर समस्त पात्र स्थानीय ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान मौके पर कराया।

'विधायक के रूप में बाहरी व्यक्ति स्वीकार नहीं'

टोडाभीम। पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों को सिंचाई के साथ-साथ पीने को पानी उपलब्ध कराने वाली पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना जहां एक तरफ केंद्र एवं राज्य सरकार के मध्य फुटबॉल बनकर रह गई है तो वहीं दूसरी तरफ वर्ष 2024 में विधानसभा चुनावो को मद्देनजर रखते हुए क्षेत्र के राजनेता महत्वकांक्षी जल योजना का सहारा लेकर विधानसभा के दरवाजे तक पहुंचने का ख्वाब संजो रहे हैं। वैसे तो क्षेत्र में कई नेता इआरसीपी के मुद्दे को चुनावी गणित में तब्दील करने का सपना संजो रहे हैं, परंतु इस कड़ी में अठाणी नाम भामाशाह के नाम से मशहूर हो चुके पंचायत समिति सदस्य रामनिवास मीणा का है जो इआरसीपी के नाम पर पैसे खर्च कर इआरसीपी का झंडा लेकर प्रदेश में दिसंबर माह में होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर क्षेत्र की जनता की नब्ज टटोलने का प्रयास कर रहे हैं हालांकि यह बात भविष्य के गर्भ में छुपी हुई है कि जनता की नब्ज क्या कह रही है। क्षेत्र के राजनीति के जानकारों की माने तो टोडाभीम विधानसभा क्षेत्र की जनता यह मन बना चुकी है चाहे विधायक भाजपा , कांठोस या निर्दलीय बने लेकिन क्षेत्र का विधायक विधानसभा क्षेत्र का निवासी हो क्षेत्र की जनता बाहरी व्यक्ति को विधायक के रूप में कतई स्वीकार नही करेगी। जबकि कुछ नेताओं के द्वारा इआरसीपी को आम जनता से ज्यादा चुनावी मुद्दा बनाया जा रहा है जिस पर क्षेत्रीय राजनीतिक लोग अपनी पॉलिटिकल रोटी सेकने की जुगत लगा रहे हैं। मामला जनता से जुड़ा हुआ होने के कारण कांठोस और भाजपा दोनों ही दलों के नेता इआरसीपी के मुद्दे पर खुलकर ज्यादा नहीं बोल रहे हैं। ईआरसीपी के मुद्दे को बनाने के लिए पिछले 1 साल में दर्जनों सभाएं हुई, महिला जागरूकता यात्रा निकली गई, पैसा पानी की तरह बहाया गया और भी बहुत कुछ हुआ लेकिन क्या वास्तव में पानी लाने का कोई इरादा है या फिर इआरसीपी से पानी नहीं विधायक निकलने का अंदेशा है। यह तय करना जनता का काम है।

मंदिर में पसरा सन्नाटा

करौली (नि.स.) कैलादेवी मंदिर में अंगराग चोला धारण के कारण मॉ. भक्तों को दर्शन बंद कर दिए हैं जिसके चलते मंदिर में गुरुवार को सन्नाटा पसरा रहा।

उत्तर भारत के प्रमुख शक्तिपीठ तीर्थ स्थल कैलादेवी मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने बताया कि 18 मई से 28 मई तक कैलामैया का मंदिर मे अंगराज चोला धारण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह 3 वर्ष में एक बार किया जाता है विद्वान पंडित प्रकाश चंद्र जती के सानिध्य में 1 दर्जन से अधिक विद्वान पंडितों के मंत्रोच्चारणो के बीच अंगराग कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ ।

गुरुवार को प्रात: 7:00 बजे कैलामैया की आरती के बाद श्रद्धालुओं को मंदिर में प्रवेश नहीं दिया और पट मंगल कर दिए गए।

उन्होंने बताया कि अब 28 मई दुर्गा अष्टमी को दोपहर फिर से मॉ0 भक्तों को राजराजेश्वरी कैला माता के दर्शन हो पाएंगे इस दौरान उन्होंने मॉ0 भक्तों से अपील की है कि 18 से 27 मई के बीच कैलादेवी नहीं आए क्योंकि भक्तों को माता रानी के दर्शन नहीं हो पाएंगे।

जनता के हाल जानने के लिए आशा मीना गांव-ढाणी पहुंची

भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य आशा मीणा ने गांव - ढाणी में ग्रामीणों की समस्याएं जानी ।

सवाई माधोपुर, 18 मई। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य आशा मीणा गुरुवार को गांव - ढाणी में ग्रामीणों के दर पहुंची। इस दौरान उन्होंने ठाामीणों की समस्याएं सुनी। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सवाई माधोपुर विधानसभा क्षेत्र की जनता के हाल जानने के लिए प्रदेश कार्यसमिति सदस्य आशा मीणा सुबह सूरवाल गांव पहुंची। आशा मीणा को अपने दर आया देख ठाामीणों ने उनका आत्मीयता के साथ स्वागत किया। इस बीच ठाामीणों ने उन्हें गर्मी के मौसम में अघोषित बिजली कटौती से होने वाली परेशानी से अवगत करवाते हुए पेयजल की समस्या से भी अवगत करवाया। ठाामीणों की समस्याएं सुनने के बाद मीणा ने संबंधित विभागीय अधिकारियों से रात्रि के समय निर्बाध रूप से बिजली सप्लाई करवाने व खराब पड़े पेयजल स्त्रोतों को ठीक करवाने का आठाह किया। जनहित से जुड़ी समस्याओं को देखते हुए आशा मीणा के आठाह पर संबंधित अधिकारियों ने उन्हें सभी समस्याओं का शीघ्र समाधान करने के लिए आश्वस्त किया। सूरवाल के बाद आशा मीना ने बड़ा गांव कहार,तारनपुर, श्रीपुरा,किरतपुरा, मलारना चौड़,बाडोलास एवं रांवल पहुंचकर ठाामीणों के हाल जाने।

कार्यालय ग्राम पंचायत, फतेहपुर

पंचायत समिति मासलपुर, जिला करौली

क्रमांक:-08 दिनांक: 16.05.2023

ई-निविदा सूचना 01/2023-24

ग्राम पंचायत फतेहपुर, पं.स. मासलपुर की महात्मा गांधी नरेगा व ग्रामीण विकास पंचायती राज विभाग की विभिन्न योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए स्वीकृत निर्माण कार्यों के लिए अनुसांगिक सामग्री आपूर्ति हेतु वाणिज्यिक कर विभाग में जी.एस.टी. अधिनियम 2017 के तहत पंजीकृत एवं अनुभवी फर्मों/सप्लायर्स से दिनांक 31.03.2024 तक के लिए दर अनुबन्ध करने के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं। ई-निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण https://eproc.rajasthan.gov.in एवं https://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती हैं।

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत फतेहपुर
पंचायत समिति मासलपुर,
जिला करौली

सरपंच
ग्राम पंचायत फतेहपुर
पंचायत समिति मासलपुर,
जिला करौली

सांसद ने केन्द्र सरकार कि योजनाओं का किया बखान

करौली। करौली-धौलपुर सांसद डॉ0 मनोज राजौरिया ने केंद्र में मोदी सरकार के कार्यकाल के 9 वर्ष पूर्ण होने पर केंद्र सरकार की योजनाओं का बखान किया। साथ ही सांसद ने राज्य की कांग्रेस सरकार पर भी जमकर हमला बोला।

करौली सर्किट हाउस मे आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान सांसद मनोज राजौरिया ने कहा कि केंद्र सरकार ने जिले सहित पूरे देश में जहां सड़कों का जाल बिछाया है। वहीं जिले में मेडिकल कॉलेज, चंबल पुल जैसी महत्वपूर्ण योजनाएं दी है। देश के किसानों के लिए सम्मान निधि,गरीबों को उज्ज्वला योजना सहित विभिन्न योजनाएं आमजन को राहत और विकास कार्य में मदद कर रही है। हर घर नल से जल योजना भी देश की आबादी की प्यास बुझाने का काम कर रही है। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे बनकर तैयार है। राम मंदिर बनाने और कश्मीर में धारा 370 को हटाने का काम भी केंद्र सरकार ने किया है। इस दौरान सांसद ने सीएम अशोक गहलोत पर प्रदेश की पूर्व सीएम वसुंधरा के खिलाफ झूठे आरोप लगाने की बात कही। राज्य सरकार पर हमला बोलते हुए सांसद ने कहा कि बिजली की दरों में बढ़े सरचार्ज ने उपभोक्ताओं के बिल में वृद्धि की है। सांसद ने महंगाई राहत कैंप में आमजन को परेशान और भ्रमित करने का आरोप लगाया। सांसद ने कहा कि जिस तरह केंद्र सरकार सम्मान निधि का लाभ दे रही है।

इसी तरह राज्य सरकार चाहती तो आमजन को विभिन्न योजनाओं का लाभ सीधे दे सकती थी। लेकिन राज्य सरकार चुनावी वर्ष में आमजन को झूठी राहत देने का दिखावा कर रही है। राहत कैंप में आमजन परेशान हो रहा है। सांसद ने राहत कैंपों को अपमान कैंप का नाम दिया।

इस अवसर पर करौली भाजपा जिला अध्यक्ष बृजलाल डिकोलिया ने कहा कि केंद्र सरकार के 9 साल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भाजपा द्वारा 30 मई से 30 जून तक जन जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। 30 मई से 20 जून तक आम सभा प्रत्येक संसदीय क्षेत्र में आयोजित होगी। आम सभा में केंद्रीय प्रतिनिधि और प्रदेश नेतृत्व भी शामिल होगा। 21 जून से 30 जून तक घर-घर जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा। आज शुक्रवार को प्रत्येक उपखंड मुख्यालय पर बिजली की दर कम करने,अघोषित कटौती और सरचार्ज को लेकर प्रदर्शन किया जायेगा। इस दौरान सांसद राजौरिया ने बताया कि चंबल पुल का लोकार्पण और मेडिकल कॉलेज का शिलान्यास जल्द होगा। इस दौरान जिलाध्यक्ष बृजलाल डिकोलिया,जिला महामंत्री धीरेंद्र बैंसला आदि मौजूद रहे।

शनि जयन्ती की तैयारी

भुसावर (निस)। कस्बा भुसावर सहित ग्रामीण अंचल में शुक्रवार को कर्मफल दाता, सूर्यपुत्र और न्याय के कारक भगवान शनि देव का प्रकटोत्सव विभिन्न मंदिरों में धार्मिक कार्यक्रमों के साथ मनाया जाएगा। जिसके लिए भक्तों ने तैयारियां शुरू कर दी गई है। भुसावर के हिंडोन सड़क मार्ग स्थित जन-जन की आस्था के प्रतीक कोठी वाले हनुमान जी मंदिर के पुजारी राघवेंद्र शर्मा जती ने जानकारी देते हुए बताया कि शनि जयंती इस बार 19, मई यानी शुक्रवार को मनाई जाएगी, शनि जयंती ज्येष्ठ अमावस्या की कृष्ण पक्ष के दिन कर्मफल दाता, सूर्यपुत्र और न्याय के कारक भगवान शनि की जयंती श्रद्धा एवं उल्लास एवं धार्मिक कार्यक्रमों के साथ मनाया जाएगा। जती ने बताया कि शुक्रवार 19 मई को ज्येष्ठ अमावस्या और वट सावित्री का व्रत का त्यौहार भी मनाया जाएगा। वही मंदिर परिसर में न्याय के देवता शनिदेव की विधिवत पूजा अर्चना, पंच तत्वों से शनिदेव की प्रतिमा का अभिषेक किया।

कलक्टर ने किया पदभार ग्रहण

भरतपुर (निस)। नव पदस्थापित 2015 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी लोकबंधु ने गुरूवार को जिला कलक्टर के पद का कार्यभार संभाल लिया है। एडीएम प्रषासन रतन कुमार ने नवनियुक्त जिला कलेक्टर लोकबंधु को पदभार ग्रहण कराया। इस मोके पर नगर निगम के अधिकारियों के द्वारा जिला कलेक्टर लोकबन्धु का बुके देकर स्वागत सत्कार किया गया।

जिला कलेक्टर ने अधिकारियों से भरतपुर की स्थितियों एवं विकास को लेकर चर्चा की। पदभार ग्रहण करने के पश्चात बंधु ने मीडियाकर्मियों से रूबरू होते हुए कहा कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर लाकर पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित कराने का प्रयास रहेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रशासन गांव के संग शिविरों के माध्यम से स्थानीय लोगों की जनसमस्याओं का शत-प्रतिशत समाधान हो साथ ही उनका यह प्रयास रहेगा कि महंगाई राहत कैम्पों के माध्यम से पात्र व्यक्तियों का विभिन्न योजनाओं में पंजीकरण कर योजनाओं का निर्धारित समय से प्रभावी लाभ मिले। उन्होंने कहा कि जिले में विभिन्न स्तरों पर की जा रही जनसुनवाईयों के माध्यम से अधिक से अधिक जनसमस्याओं का निस्तारण हो जिससे आमजन को राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि जिले की समस्याओं के सम्बंध में अधिकारियों से विस्तृत चर्चा कर नियमानुसार समाधान करने का प्रयास किया जायेगा। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर (शहर) श्रीमती बीना महावर, नगर विकास न्यास के सचिव कमलराम मीणा, सहायक कलक्टर सुश्री भारती भारद्वाज, सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

fssai FOOD SAFETY AND STANDARDS AUTHORITY OF INDIA

Inspiring Trust, Assuring Safe & Nutritious Food

Ministry of Health and Family Welfare, Government of India

क्या आपने वित्तीय वर्ष 2022-23 (अंतिम तिथि 31 मई 2023) के लिए अपनी खाद्य विनिर्माण इकाई की वार्षिक विवरणी दाखिल कर दी

किसे विवरणी दाखिल करनी है

- सभी अनुज्ञाप्तिधारक विनिर्माणकर्ता (रिलेबलर एवं रि-पैकर सहित)
- आयातक

दाखिल करने की पद्धतियां

- FoSCoS पोर्टल https://foscos.fssai.gov.in/ के माध्यम से केवल आनलाईन मोड
- प्रत्येक विनिर्माण/आयात अनुज्ञाप्तिधारी के लिए पृथक विवरणी दाखिल करनी है।
- **अस्वीकार्य** - भौतिक प्रति अथवा ईमेल के माध्यम से प्रस्तुति

शास्तियां

- 31 मई 2023 के बाद विवरणी दाखिल करने में विलम्ब के लिए शास्ति/विवरणी दाखिल करने की तिथि तक विलम्ब के रु. 100 प्रति दिन।
- अधिकतम शास्ति वित्त वर्ष 2021-22 से प्रभावी : वार्षिक अनुज्ञप्ति शुल्क का 5 गुणा।
- वार्षिक विवरणी दाखिल किये बिना अनुज्ञप्ति का नवीकरण अनुमत नहीं है।

हेल्पलाईन : कॉल @1800112100 एवं ईमेल : helpdesk-foscos@fssai.gov.in
वार्षिक विवरणी पर अधिक विवरण के लिए FoSCoS पोर्टल पर लाईसेसिंग/रजिस्ट्रेशन पर FAQs देवे।

कार्यकारी निदेशक (सीएस)
एफएसएसएआई

CBC 17163/12/0001/2324

कलक्टर ने समीक्षा बैठक की

भरतपुर (निस)। जिला कलक्टर लोकबंधु की अध्यक्षता में प्रशासन गॉवों के संग, प्रशासन शहरों के संग शिविरों, मंहगाई राहत कैंपों एवं वित्तीय वर्ष 2023-24 के बजट में राज्य सरकार द्वारा की गई घोषणाओं की प्रगति की गुरूवार को समीक्षा बैठक कलैक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। जिला कलक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि बजट घोषणाओं के तहत सम्बन्धित विभागीय अधिकारी राजस्व विभाग के अधिकारियों से प्रभावी समन्वय कर भूमि आवंटन के प्रकरणों को समय पर भिजवायें जिससे परियोजनाऐं समय पर पूर्ण हो सके तथा आमजन को लाभ मिल सके इसके लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों का भी सहयोग लें। उन्होंने शहरी क्षेत्र में भूमि आवंटन के लिए स्थानीय नगर निकाय की साधारण सभा की बैठक में प्रस्ताव लेकर कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होंने प्रशासन गॉवों के संग एवं प्रशासन शहरों के संग अभियान से सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिये कि शिविरों में कार्मिकों की ड्यूटी निर्धारित करें तथा राज्य सरकार के द्वारा शिविरों के लिए आवंटित विभागीय कार्यों को शिविर में पूरा करायें साथ ही स्थानीय स्तर की समस्याओं का मौके पर मुआयना कर नियमानुसार निस्तारण करायें। उन्होंने डीओआईटी के संयुक्त निदेशक को निर्देश दिये कि शिविरों में जनआधार के माध्यम से विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं में होने वाले पंजीयन से वंचित परिवारों की सूची तैयार करें जिससे तहसील स्तर पर सूचियों के आधार पर पंजीकरण की प्रक्रिया को गति दी जा सके तथा राज्य स्तर पर जिले की रेंटिग में सुधार लाया जा सके। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे विभागीय डाटा के आधार पर वंचित उपभोक्ताओं का पंजीयन कराकर लाभान्वित करायें। उन्होंने जिला रसद अधिकारी को निर्देश दिये कि उचित मूल्य के दुकानदारों का सहयोग लेकर क्षेत्र के पात्र परिवारों को अन्नपूर्णा एवं मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना में पंजीकृत कर लक्ष्यों को शत-प्रतिशत हासिल करें तथा ऐसे मंहगाई राहत शिविर जिनकी प्रगति कम है को अन्य क्षेत्रों में स्थानांतरित कर गति लायें।

दीवार लेखन कार्य शुरू

भरतपुर (निस)। भारतीय जनता पार्टी जिला भरतपुर प्रचार - प्रसार विभाग के द्वारा दीवार लेखन कार्य का प्रारंभ भरतपुर सारस चौराहे पर किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि राज्य सभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी रहे। अध्यक्षता जिला अध्यक्ष ऋषि बंसल ने की। कार्यक्रम के जिला संयोजक पंकज सिंह बिजवारी ने बताया कि दीवार लेखन का काम भरतपुर जिले के 1756 बुथों पर किया जाएगा।

एक बूथ पर पांच स्थानों पर लेखन कर राजस्थान की कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार, महिला अत्याचार, दलित अत्याचार, बेरोजगारी, पेपर लीक, सहित तमाम मुद्दों को दीवार लेखन के जरिये जनता तक पहुंचने का काम करेंगे। इस मोके पर प्रदेश मंत्री महेन्द्र सिंह जाटव, पूर्व सांसद बहादुर सिंह कोली, पूर्व जिला अध्यक्ष गिरधारी तिवाड़ी, सतेन्द्र गोयल, रविंद्र जैन प्रचार प्रसार जिला सह संयोजक उमेश पाराशर, दिनेश भातरा, जिला उपाध्यक्ष गिरधारी गुप्ता जिला महामंत्री भगवानदास शर्मा जिला संयोजक अरविंद पाल सिंह ,जिला प्रवक्ता नरेश सेन, हरवीर चौधरी, कोमल महावर, सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नए ओ.एस.डी. अंजलि राजोरिया ने किया पदभार ग्रहण

ओ.एस.डी. अंजली राजोरिया ने गंगापुर सिटी में पदभार ग्रहण किया।

गंगापुर सिटी 18 मई। राज्य सरकार ने गंगापुर को जिला घोषित करने के बाद गंगापुर में भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी अंजलि राजोरिया को विशेष अधिकारी नियुक्त किया है। विशेष अधिकारी राजोरिया ने गुरुवार को गंगापुर में पदभार ग्रहण कर लिया। इसके पश्चात विशेषाधिकारी द्वारा अधिकारियों से गंगापुर सिटी क्षेत्र के बारे में भौगोलिक एवं प्रशासनिक जानकारी प्राप्त की तथा मिनी सचिवालय परिसर स्थित विभिन्न राजकीय कार्यालयों का अवलोकन किया। विशेष अधिकारी अंजलि राजोरिया गुरुवार सुबह गंगापुर पहुंची और जहां पर स्थानीय अधीनस्थ अधिकारियों ने विशेष अधिकारी राजोरिया का पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया। इसके बाद पुलिस द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद राजोरिया ने विधिवत पदभार ग्रहण किया। नए ओएसडी राजोरिया ने मिनी सचिवालय में अपने कार्यालय में एसडीएम नरेंद्र कुमार मीणा, पुलिस उपाधीक्षक विजय सांखला, नगर परिषद आयुक्त पंकज मीणा सहित अन्य अधिकारियों से फीडबैक लिया। इस दौरान विशेष अधिकारी अंजलि राजोरिया ने कहा कि गंगापुर हाल ही नया जिला बना है और नए जिले के हिसाब से यहां पर सर्किट हाउस, पुलिस लाइन सहित अन्य कार्यालय बनने हैं, इसके लिए जगह देखकर चिन्हित की जाएगी और जिले के हिसाब से ही पूरा सेटअप तैयार किया जाएगा।

युवक की हत्या के मामले में भोमिया राजपूत समाज ने प्रदर्शन किया

पुलिस अधीक्षक ने पादरली पहुंचकर मौका मुआयना किया

जालोर/आहोर, (कासं)। आहोर थाना क्षेत्र के पादरली गांव में एक युवक की निर्मम हत्या के विरोध में गुरुवार को भौमिया राजपूत समाज व ग्रामीणों ने आहोर मोर्चरी के सामने धरना प्रदर्शन कर विरोध जताया। जिला कलेक्टर के आश्वासन के बाद मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सुर्पुद किया। उग्र विरोध प्रदर्शन के चलते पादरली ग्राम पुलिस छावनी में तब्दिल रहा। वहीं पुलिस अधीक्षक डॉ. किरण कंग सिद्धु ने बुधवार देर रात पादरली पहुंचकर घटना स्थल का मौका मुआयना किया। वहीं गुरुवार को जालौर जिले के कई क्षेत्रों में इंटरनेट सेवायें बंद रही।

आहोर थाना क्षेत्र के पादरली गांव में युवक की निर्मम हत्या के विरोध में भौमिया राजपूत समाज व ग्रामीणों ने आहोर मोर्चरी के सामने प्रदर्शन कर विरोध जताया।

- बुधवार देर शाम को सरेआम युवक का हथियार से कत्ल कर दिया था

जालोर जिले के आहोर उपखंड के पादरली गांव में बुधवार देर शाम को सरेआम किशोरसिंह नाम के युवक का धारदार हथियार से कत्ल कर दिया था। घात लगाकर बैठे आरोपी ने सड़क पर जा रहे किशोरी सिंह पर पीछे से वार कर सिर धड़ से अलग कर दिया। आरोपी के ऊपर इतना खून सवार था कि सिर को हाथ में लेकर मौका-ए-वारदात से करीब सौ मीटर की दूरी पर डाल दिया। इसके बाद स्वयं पुलिस के समक्ष पेश होकर आत्म समर्पण कर दिया। घटना कर सूचना पर ग्रामीणों की भीड़ एकत्रित हो गई। आरोपी को शीघ्र गिरफ्तार करने की मांग को लेकर आधी रात तक पुलिस मृतक के शव को नहीं उठा पाई। आखिरकार बुधवार देर रात के बाद कांग्रेस नेता उमसिंह चांदराई की समझाइश के बाद शव को आहोर अस्पताल की मोर्चरी में लाया गया। जहां गुरुवार सुबह काफी संख्या में भौमिया राजपूत समाज व पादरली गांव के लोग मोर्चरी के सामने धरना देकर बैठ गए। जिसमें काफी संख्या में महिलाए भी शामिल थी। प्रदर्शन के उग्र होने की आशंका के मद्देनजर पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को कडी करते हुए पादरली गांव एवं आहोर थाने के बाहर व अस्पताल परिसर में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया।

धरने पर बैठे प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन व पुलिस के समक्ष छह मांगे रखी और कहा कि जब तक मांगें पूरी नहीं हो जाती है, तब तक शव का पोस्टमार्टम नहीं होने देंगे। पीडित पक्ष व ग्रामीणों ने पीडित परिवार को एक करोड़ का मुआवजा, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी, पीडित परिवार को बीपीएल श्रेणी में दर्ज करने, नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी, मामला फास्ट ट्रैक में चलाने व हत्या के षडयंत्र में शामिल अन्य आरोपियों के खिलाफ कडी कार्रवाई करने की मांग की गई। प्रशासन व पुलिस ने सभी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर पीड़ित परिवार को हरसंभव सरकारी मदद देने का आश्वासन दिया।

जिला कलैक्टर निशांत जैन ने आहोर पहुंचे। जहां जिला कलैक्टर जैन व कांग्रेस नेता उमसिंह चांदराई, एसडीएम शैलेन्द्र सिंह व एएसपी रामेश्वर लाल मेघवाल की समझाइश के बाद परिजन व ग्रामीण पोस्टमार्टम के लिए सहमत हुए। एएसपी रामेश्वर लाल मेघवाल ने बताया कि मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने आरोपी सांवलाराम भील को हिरासत में लिया है। मामले को शांतिपूर्ण हल करने के लिए डीएसपी रतन देवासी, आहोर थानाधिकारी गिरधर सिंह के अलावा कई पुलिस अधिकारियों व प्रशासनिक अफसरों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। घटना को लेकर क्षेत्रीय विधायक छगनसिंह राजपुरोहित, पूर्व विधायक शंकर सिंह राजपुरोहित, कांग्रेस नेता सवाराम पटेल, आमसिंह परिहार भी मौके पर पहुंचे और पुलिस को त्वरित कार्रवाई करने के लिए कहा। पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाकर मृतक के शव को परिजनो का सुर्पुद किया।

वहीं आहोर पुलिस थाना क्षेत्र के पादरली ग्राम में एक युवक की निर्मम हत्या को लेकर भोमिया समाज के उग्र विरोध प्रदर्शन की आशंका के चलते पुलिस ने बुधवार देर रात से डेरा डाल दिया था। जहां पुरे गांव में पुलिस जवान तैनात थे। तथ भील बस्ती में भी पुलिस का विशेष जाब्ता तैनात रहा है। युवक की निर्मम हत्या की सूचना मिलते ही जालोर पुलिस अधीक्षक डॉ किरण कंग सिद्धु व जिला कलैक्टर निशांत जैन ने घटना की जानकारी ली। वहीं एसपी ने गुरुवार सुबह से ही आहोर पुलिस थाने में बैठ कर मामले की स्वयं मोनिटरिग करती नजर आई। जिला कलैक्टर जैन ने भी आहोर पहुंचकर मृतक के परिजनो का आश्वासन देकर मामला शांत करवाया गया।

हनुमानगढ़ में तेज आंधी से पेड़ गिरे, टीनशेड-छप्पर उड़े

पोल टूटने से रातभर बंद रही बिजली सप्लाई

हनुमानगढ़, (कासं)। देर रात को तेज आंधी के साथ बरसात और ओलावृष्टि हुई। आंधी के कारण कई इलाकों में रातभर बिजली सप्लाई ठप हो गई, जो गुरुवार को कई घंटों बाद बहाल हुई। तेज आंधी के कारण कई जगहों पर पेड़ टूटकर गिर गए तो कई जगहों पर टीनशेड-छप्पर उड़ गए। जंक्शन की सिंचाई कॉलोनी में पेड़ टूटकर गिरने से बिजली के 7 पोल टूट गए, जिसके कारण कई इलाकों में बिजली सप्लाई बंद हो गई।

बारिश से धानमंडी में खुले में रखी किसानों की कृषि जिंस भीग गई। ग्रामीण क्षेत्रों में भी रात को बिजली गुल हो गई। कभी तेज तो कभी धीमी गति से बारिश का दौर चला, जिसके कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई। लू के थपेड़ों और आसमान से बरसती आग से बेहाल लोगों को गर्मी से राहत मिली। बारिश के बाद गुरुवार सुबह कुछ स्थानों पर जल भराव और गंदगी के कारण कीचड़ पसर गया।

देर रात को आए तेज अंधड़ और

- कमरे की छत गिरने से एक महिला घायल

बारिश के बीच जंक्शन क्षेत्र में एक मकान में बने कच्चे कमरे की छत गिर गई। इस दौरान मलबे में दबने से एक महिला घायल हो गई, जिसको अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थानीय निवासी गुड्डी देवी ने बताया कि उनके पड़ोस में करीब मूर्ति देवी (45) घर में अकेली रहती है। वह दिहाड़ी-मजदूरी करके गुजर-बसर कर रही है। देर रात को तेज आंधी के दौरान करीब 2 बजे कमरे की छत गिर गई और मूर्ति देवी मलबे के नीचे दब गई। हादसे के बाद आसपास के लोगों ने मलबा हटाकर मूर्ति देवी को बाहर निकाला। मलबे के नीचे दबने से मूर्ति देवी के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों पर चोटें लगी। मलबे में दबने से कमरे में रखा घरेलू सामान भी खराब हो गया।

अंधड़ के साथ हुई तेज बारिश

रींगस, (निसं)। अंचल में गुरूवार अल सुबह मौसम ने फिर से पलटी मार ली। पश्चिमी विक्षोब के असर से जमकर आंधी चली। इसके बाद झमाझम बारिश का दौर चला। इसके चलते अनेक स्थानों पर पानी भर गया वहीं मौसम में ठण्डापन आने से पंखे कूलर बन्द करने पड़े। गुरूवार दोपहर में फिर गर्मी ने अपना असर दिखा दिया। हालांकि तपन का ज्यादा असर नहीं रहा। गुरूवार देर रात करीब 3 बजे क्षेत्र में जमकर आंधी चली। इससे घरों के बाहर सो रहे लोगों को उठकर अपने घरों में जाना पडा। इसके बाद झमाझम बारिश का दौर चला।

सुजानगढ़ को जिला बनाने की मांग, गिरफ्तारियां दी

कानूता में पुलिस को गिरफ्तारियां देते ग्रामीण।

सुजानगढ़, (निसं)। सुजला जिले की मांग को लेकर कानूता पुलिस चौकी में जनहित संघर्ष मोर्चा के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों द्वारा गिरफ्तारियां दी गई।

जनहित संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष एडवोकेट राम कुमार मेघवाल, कॉमरेड रामनारायण रूलानिया, शिक्षक नेता गुरुदेव गोदारा, एडवोकेट बनवारीलाल बिजारणिया, किसान सभा अध्यक्ष तेजपाल गोदारा, जगदीश सोनी, पवन पारीक, महावीर मूंड, पवन भोजक आदि इस आंदोलन में शामिल हुए और गांव के चौक पर सभा की गई। जिसको सम्बोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि हमें राजनीतिक पार्टियों की भक्ति छोडकर जिले के लिए संघर्ष करना चाहिए।

इस अवसर पर ग्रामीण क्षेत्र के जन हित संघर्ष मोर्चा कमेटी के अध्यक्ष चेनाराम कडेला कानूता, रमाकांत ओमप्रकाश बीडासर, रामेश्वरलाल, महिपाल भंवरलाल गोदारा मूंदडा, बजरंग सिंह फौजी करेजरा, महेंद्र पाल भूराराम ढाका लिखमीसर, केसरा राम गोदारा बागसरा, श्रवणराम, प्रेमाराम ठेकेदार, सहीराम मगरासर, धर्माराम जिंजा, राजकुमार शर्मा, ओमप्रकाश साहू, छगन सिंह राजपूत मूंदडा, रामनिवास सारण नारायणराम गोदारा, कमल डारा गेडाप, राजेश सारण, ओमप्रकाश ज्याणी आदि के नेतृत्व में ग्रामीण क्षेत्रों से करीब 750 लोगों ने कानूता पुलिस चौकी पहुंचकर गिरफ्तारियां दी। वक्ताओं ने आव्हान किया आगामी सभा 4 जून को जनहित संघर्ष मोर्चा के बैनर तले चल रहे अनिश्चितकालीन धरने पुराना बस स्टैंड पर होगी, जिसके लिए सभी को न्यौता दिया गया।

बुजुर्ग ने चाकू दिखाकर महिला से रेप की कोशिश की

अनूपगढ़, (कासं)। 58 साल के बुजुर्ग ने चाकू दिखाकर महिला से रेप की कोशिश की। महिला के चिल्लाने पर उस तेजाब फेंक दिया। वह जैसे-तैसे जान बचाकर भागी। वारदात के बाद आरोपी भाग गया। वहीं 8 से 10 फीसदी तक झुलसी महिला को हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया है।

डीएसपी जयदेव सिहाग ने बताया कि महिला ने आरोपी शंकर सदा (58) पुत्र गोपाल सदा निवासी बिशनपुरा ढिंढाड़ी, बेगूसराय के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की अलग-अलग टीम का गठन किया गया है। वहीं पीड़ित महिला का सरकारी हॉस्पिटल में मेडिकल चेकअप करवाया गया है।

- महिला पर तेजाब फेंका, 8 से 10 फीसदी तक झुलसी

अनूपगढ़ थानाधिकारी फूलचंद शर्मा ने बताया कि 40 साल की पीड़ित महिला का बयान लिया गया है। महिला ने बताया कि वह कचरा बीनने का काम करती है। उसने दो दिन पहले अपने कमरे से कबाड़ का सामान उठाने के लिए कहा और मोबाइल का नंबर लिया।

इसके बाद आरोपी ने रात को भी कबाड़ ले जाने के लिए कॉल किया। महिला ने बताया कि गुरुवार सुबह करीब 4 से 4.30 बजे के बीच सुनार की दुकान पर कचरा बीनने गई। आरोपी शंकर सदा ने गलत नीयत से उसका हाथ पकड़ा और चाकू दिखाकर रेप करने की कोशिश की। हाथ छुड़ाने की कोशिश की तो पास ही रखी तेजाब की बोतल उस पर फेंक दी। जैसे-तैसे हाथ छुड़ाकर भागी।

महिला ने बताया कि पूरे शरीर में जलन हो रही थी। वह घर पहुंची और अपनी बेटी को साथ लेकर प्राइवेट हॉस्पिटल में इलाज करवाया। तेजाब के कारण उसका शरीर 8 से 10 फीसदी झुलस गया। आरोपी भी पीछे आया लेकिन बाद में भाग गया। इसके बाद अनूपगढ़ पुलिस थाने में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। आरोपी किराए का कमरा लेकर अकेला रहता था और बार-बार अपना कमरा बदलता रहता था।

परीक्षा में नकल के लिए दिल्ली से खरीदी थी विग

बीकानेर, (कासं)। नकली बालों की विग में ब्लूटूथ लगाकर राजस्व अधिकारी की परीक्षा देने पहुंचे तीनों आरोपियों को बीकानेर पुलिस दिल्ली लेकर रवाना हुई। पुलिस विग विक्रेताओं से पूछताछ करने के साथ ही वहां लगे सीसीटीवी कैमरों को भी खंगालेगी। साथ ही आरोपियों द्वारा ब्लूटूथ लगाने वाले व्यक्ति की तस्दीक भी करवाएगी।

पूरे प्रकरण की जांच कर रहे एडिशनल एसपी हरि शंकर ने बताया कि पुलिस जाब्ते के साथ दो एसआई अधिकारियों को आरोपियों के साथ भेजा है। इस मामले में गिरफ्तार जांगलू निवासी मनोज कुमार बिश्नोई, नत्थूसर बास के महेंद्र कुमार ब्राह्मण और रासीसर के पवन कुमार मंडा से मौका तस्दीक करवाएंगे। उल्लेखनीय है कि मुकाबले दोनों ही विषयों में लगभग एक प्रतिशत परिणाम कम रहा।

- विग में ब्लूटूथ लगाकर राजस्व अधिकारी की परीक्षा देने का मामला

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान की सीनियर सैकेण्डरी की परिक्षाए गत 12 अप्रैल को समाप्त हुई थी इसके बाद बोर्ड प्रशासन परिणाम जारी करने में जुट गया था परीक्षा समाप्ति के 36 दिनों के भीतर ही बोर्ड ने परिणाम जारी कर दिया है। इससे पहले बोर्ड ने कोरोना काल में 29 दिनों में परिणाम जारी था। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड का परिणाम पिछले साल की तुलता में एक प्रतिशत कम रहा है। वर्ष 2022 में 12वीं विज्ञान वर्ग की परीक्षा 96.53 प्रतिशत अभ्यर्थी पास हुए थे वही वाणिज्य वर्ग में 97.53 प्रतिशत अभ्यर्थी पास हुए। इस वर्ष बोर्ड परीक्षाओं के लिये कुल 21 लाख 10 हजार 569 परीक्षार्थी पंजीकृत किये गये हैं। सैकण्डरी परीक्षा के लिए कुल 10 लाख 67 हजार 478 परीक्षार्थियों ने परीक्षा के लिए आवेदन किया है। सीनियर सैकण्डरी परीक्षा के लिए 10 लाख 30 हजार 346 परीक्षार्थी परीक्षा में रजिस्टर्ड हुए।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान के 12वीं वाणिज्य व विज्ञान वर्ग का परिणाम जारी

अजमेर, (कासं)। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान ने सीनियर सैकण्डरी के वाणिज्य व विज्ञान वर्ग का परिणाम जारी कर दिया है। बोर्ड द्वारा जारी किए गए परिणामों मे एक बार फिर छात्राओं ने बाजी मारी है। बोर्ड परिणाम बोर्ड के नवनियुक्ति प्रशासक सीआर मीणा ने जारी किया। बोर्ड प्रशासक सीआर मीणा के अनुसार वाणिज्य वर्ग का परिणाम 96.60 प्रतिशत रहा। वही विज्ञान वर्ग 95.65 प्रतिशत रहा।

बोर्ड प्रशासक सीआर मीणा ने बताया कि इस वर्ष वाणिज्य वर्ग के लिए 29387 परीक्षार्थी रजिस्टर्ड किए गए थे जिनमें से 29030 ने परीक्षा दी व 28044 परीक्षाथी पास हुए है। इसी तरह विज्ञान वर्ग में 279911 परीक्षार्थी रजिस्टर्ड किए गए थे जिनमें से 277375 ने परीक्षा दी व 265297 परीक्षाथी पास हुए है।

वाणिज्य वर्ग में छात्राओं का सफलता प्रतिशत 98.01 रहा वही 95.85 प्रतिशत छात्र उत्तीण रहे। विज्ञान में छात्राओं की सफलता का

- छात्राओं ने मारी बाजी, वाणिज्य वर्ग का परिणाम 96.60 प्रतिशत रहा। वही विज्ञान वर्ग 95.65 प्रतिशत रहा

प्रतिशत 97.39 साथ ही छात्रों की सफलता 94.72 प्रतिशत रहा। गत वर्ष के मुकाबले विज्ञान और वाणिज्य के परिणाम में गिरावट आई है गत वर्ष के

दुष्कर्म के आरोपी को सजा

टोंक, (निसं)। नाबालिग किशोरी से दुष्कर्म के करीब दो साल पुराने मामले में गुरूवार को पॉक्सो कोर्ट ने आरोपी युवक को दोषी मानते हुए 20 साल के कठोर कारावास एवं 45 हजार रुपए के अर्थदंड की सजा सुनाई है। आरोप है कि युवक मेहबूब नाबालिग को रात को घर से उठाकर खेत पर ले गया एवं वहां पर उसके साथ जबरदस्ती गलत काम किया था। पीड़िता के दिये बयानों में आरोपी पर बालिका से दो-तीन बार दुष्कर्म किया करने की भी बात सामने आई। कोर्ट में पेश गवाहों एवं दस्तावेजों के साथ ही डीएनए रिपोर्ट के आधार पर आरोपी को दोषी माना गया एवं कोर्ट ने सजा सुनाई।

बिजली बिलों में फ्यूल सरचार्ज का विरोध

अलवर, (निसं)। बिजली के बिलों में फ्यूल सरचार्ज बढ़ाने को लेकर बीजेपी के नेताओं ने अलवर शहर में गुरुवार को मिनी सचिवालय के बाहर एकत्रित होकर प्रदर्शन किया। बीजेपी जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में मिनी सचिवालय के बाहर गहलोत सरकार के खिलाफ विरोध जताया गया। जिलाध्यक्ष गुप्ता ने कहा कि बिजली फ्री देने का वादा कर सत्ता में आई गहलोत सरका ने वादाखिलाफी की है। अब बिजली के बिलों में फ्यूल सरचार्ज बढा दिया है। जिसके कारण आमजन पर बडा भार पडा है। इस कारण जनता में आक्रोश है। सरकार को बढाए गए फ्यूल सरचार्ज वापस लेने की जरूरत है। वरना बीजेपी आमजन को साथ लेकर बडा आंदोलन करेगी। बीजेपी के नेताओं ने अलवर शहर में पानी का संकट होने का मुद्दा भी उठाया है। शहर के पूर्व विधायक बनवारी लाल सिंघल सहित अन्य नेताओं ने कहा कि सरकार आमजन के लिए पीने के पानी का इंतजाम करने में पूरी तरह फेल है। प्रदर्शन में जिलाध्यक्ष अशोक गुप्ता सहित पूर्व विधायक बनवारी लाल सिंघल, दिनेश भार्गव प्रदेश पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष किसान मोर्चा, निर्मल सूरा भाजपा नेता सहित अनेक पदाधिकारी सहित सेकडो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दौहरी पदोन्नित प्रदान करने का आदेश

माध्यमिक शिक्षा चूरू का मामला

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान सिविल सेवा अपील अधिकरण जयपुर चलपीठ, जोधपुर ने प्रार्थी दिनेश कुमार मेघवाल द्वारा प्रस्तुत अपील को स्वीकार करते हुऐ उसे वर्ष 2010-2011 की रिक्तियों के विरूद्ध स्कूल व्याख्याता एवं उसके पश्चात वर्ष 2018-2019 की रिक्तियों के विरूद्ध प्रधानाचार्य के पद पर पदोन्नित देने का आदेश पारित किया।

तहसील सालासर जिला चुरू निवासी दिनेश कुमार मेघवाल की नियुक्ति अध्यापक ग्रेड द्वितीय के पद पर 22 दिसंबर 1996 को हुई थी। नियुक्ति के पश्चात वर्ष 2005 में प्रार्थी ने राजनिति विज्ञान में स्नाकोतर (एम.ए.) की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली थी। प्रार्थी की योग्यता भी वर्ष 2005 मे सहायक निदेशक माध्यमिक शिक्षा चुरू द्वारा उसकी सर्विस बुक में इन्द्राज कर ली गयी। विभाग द्वारा उसकी सर्विस बुक में की गयी इन्द्राज के पश्चात उसे वरिष्ठता भी उसी अनुरूप प्रदान कर दी गयी। कालांतर में प्रार्थी से

- राजस्थान सिविल सेवा अपील अधिकरण जयपुर चलपीठ, जोधपुर ने आदेश पारित किया

कनिष्ठ कर्मचारियों को वर्ष 2010-2011 की रिक्तियों के विरूद्ध स्कूल व्याख्याता के पद पर पदोन्नित प्रदान की गयी। लेकिन प्रार्थी को वर्ष 2013-2014 की रिक्तियों के विरूद्ध स्कूल व्याख्याता के पद पर राजस्थान शिक्षा सेवा नियमों के तहत पदोन्नित प्रदान की गयी व बाद में वर्ष 2018-2019 की रिक्तियों के विरूद्ध प्रार्थी से कनिष्ठ स्कूल व्याख्याताओ को पुन: प्रधानाचार्य के पद पर पदौन्नित प्रदान कर दी गयी। लेकिन विभाग द्वारा प्रार्थी को प्रधानाचार्य के पद पर पदोन्नित प्रदान नहीं की गयी।

अपीलार्थी को प्रधानाचार्य के पद विरूद्ध पदोन्नित नही देने के स्कूल व्याख्याता के पद पर देरी से पदोन्नित देने के कारण प्रार्थी ने कई अभ्यावदेन प्रस्तुत किये व अंत मे अपने अधिवक्ता के माध्यम से विधिक नोटिस भी भेजा मगर विभाग द्वारा कोई कार्यवाही नही की गयी। विभाग के इस कृत्य से व्यथित होकर प्रार्थी ने अपने अधिवक्ता प्रमेन्द्र बोहरा के माध्यम से एक अपील अधिकरण के समक्ष प्रस्तुत की। प्रार्थी के अधिवक्ता के तर्कों से सहमत होते हुए अधिकरण ने प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत अपील को स्वीकार करते हुए उसे उससे कनिष्ठ कर्मचारियों को जिस दिन से स्कूल व्याख्याता के पद पर पदोन्नित प्रदान की गयी उसी दिन से स्कूल व्याख्याता के पद पर पदोन्नित प्रदान करने व उसके पश्चात उसे भी वर्ष 2018-2019 की रिक्तियो के विरूद्ध प्रधानाचार्य के पद पर पदोन्नित प्रदान करने का आदेश प्रदान किया। साथ ही माध्यमिक शिक्षा विभाग को आदेश की पूर्ण पालना तीन माह के भीतर करने का आदेश दिया।

फ्यूल सरचार्ज वापस लेने की मांग

कोटपूतली, (निसं)। विधुत विभाग द्वारा बीते कुछ माह से आमजन के बिजली बिलों में वसूले जा रहे फ्यूल सरचार्ज से जहां पहले ही जनता में राज्य सरकार के प्रति नाराजगी का माहौल था। वहीं दूसरी ओर विगत अप्रैल माह के बिजली बिलों में फ्यूल चार्ज को 18 से बढ़ाकर 59 पैसे प्रति यूनिट किये जाने से भयंकर आक्रोश व्याप्त है।

हाल ही के बिजली बिलों में 250 से लेकर 3000 रूपये तक की राशि बतौर फ्यूल सरचार्ज लोगों के बिलों में जुडकर आई है। इसी सम्बंध में वरिष्ठ भाजपा नेता शंकर लाल कसाना ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पत्र लिखकर तत्काल बढ़े हुए फ्यूल सरचार्ज को वापस लिये जाने की मांग की है। पत्र में कसाना ने लिखा है कि राज्य सरकार इसके नाम पर प्रदेश की आम जनता से अवैध वसूली कर रही है। राज्य सरकार ने महँगे दामों पर कोयला खरीदा, जिसका खामियाजा प्रदेश की जनता को भुगतना पड़ रहा है। राज्य सरकार ने 8.5 हजार मेगावॉट क्षमता के थर्मल पॉवर प्रोजेक्ट को रखरखाव के नाम पर बंद रखकर महँगी बिजली खरीदी। इसका परिणाम अब जनता भुगत रही है।

दिल्ली-जयपुर हाईवे पर ट्रैलर पलटा

आग की लपटों में जलता रहा ट्रैलर, कोई जनहानि नहीं हुई

मनोहरपुर, (निसं)। थाना क्षेत्र के नवलपुरा मोड के पास शेखावाटी होटल के सामने एक ट्रेलर पलट गया जिसमें भीषण आग लग गई।

थाना पुलिस ने बताया कि ट्रेलर में जीरो रोड़ी भारी हुई थी जो दिल्ली से जयपुर की ओर जा रहा था। इस दौरान ट्रेलर असंतुलित होकर व डिवाइडर से टकराकर जयपुर से दिल्ली रोड पर आकर पलट गया, जिससे ट्रेलर में आग लग गई। हादसे के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। जिन्होंने ट्रेलर में फंसे सुनील बलाई को सुरक्षित बाहर निकाला। सूचना पाकर मौके पर थाना पुलिस मय जाप्ते के पहुंची दमकल कर्मचारियों ने ट्रेलर की आग को बुझाकर आग पर काबू पाया। जिसके बाद क्रेन की सहायता से क्षतिग्रस्त ट्रेलर को साइड में करवाकर यातायात को खुलवाया गया।

इस दौरान ग्रामीणों ने बताया कि करीब आदे घंटे तक आग की लपटों में ट्रेलर जलता रहा। देखते ही देखते आग ने रफ्तार पकड़ी और धू धू कर ट्रेलर जलने लगा। देर बाद सूचना पर दमकल मौके पर पहुंचकर आग को बुझाया गया। इस दौरान करीब आदा घंटे तक हाइवे पर जाम लगा रहा।जिससे ट्रैफिक को सर्विस रोड पर डायवर्ट किया गया।

हादसे के बाद उठता धुंआ।

मुस्लिम छात्रावास भूमि आवंटन के विरोध में सड़कों पर उतरे लोग

जयपुर के सांगानेर में मुस्लिम छात्रावास को भूमि आवंटन के विरोध में सांगानेर बचाओ संघर्ष समिति के आव्हान पर करीब हिंदू समाज के पांच हजार लोगों ने पिंजरापोल गोशाला से आवासन मंडल कार्यालय तक पैदल मार्च निकाला। इसके बाद वहां प्रदर्शन किया।

जयपुर। गुरुवार को जयपुर के सांगानेर में मुस्लिम छात्रावास को भूमि आवंटन के विरोध में सांगानेर बचाओ संघर्ष समिति के आव्हान पर पूरा सांगानेर प्रताप नगर स्वेच्छा से संपूर्ण बंद रहा। भूमि आवंटन के विरोध में करीब 5000 की संख्या में हिंदू समाज ने पिंजरापोल गोशाला से आवासन मंडल कार्यालय तक पैदल मार्च निकाला।

■ **सांगानेर व प्रताप नगर स्वेच्छा से रहा बंद, सैकड़ों महिलाएं व पुरूषों ने प्रताप नगर हाउसिंग बोर्ड कार्यालय पर जमकर नारेबाजी की**

प्रवक्ता रविन्द्र शर्मा ने बताया कि राजस्थान आवासन मण्डल ने हाल ही में प्रताप नगर सेक्टर-3 में एक हजार बच्चों के लिए मुस्लिम छात्रावास बनाने के लिए 5000 वर्गमीटर भूमि का निशुल्क आवंटन किया है। इस आवंटन को रद्द करने के लिए सांगानेर बचाओ संघर्ष समिति और हिन्दू समाज के लोग सड़कों पर उतर आए और नारेबाजी करते हुए पैदल मार्च निकाला। सांगानेर बचाओ संघर्ष समिति के अध्यक्ष अर्जुन सिंह सिसोदिया की ओर से निकाले गए मार्च को सांसद रामचरण बोहरा और विधायक अशोक लाहोटी का भी समर्थन मिला। रविंद्र शर्मा ने कहा कि सरकार ने इससे पहले यहां हज हाउस के लिए भूमि आंवटन की थी जिसका हमने विरोध किया था। उसके बाद उसका आवंटन रद्द किया गया था। सांसद बोहरा ने कहा कि सरकार ने मुस्लिम छात्रावास बनाने के लिए 5000 वर्गमीटर भूमि का निशुल्क आवंटन किया है। 99 प्रतिशत हिन्दू जनता के बीच में मुस्लिम छात्रावास की कोई आवश्यकता नहीं है। समिति के अशोक सिंह ने बताया कि इससे पहले 14 मई को सांगानेर प्रताप नगर स्थित सेक्टर-3 जोन-35 में राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा मुस्लिम छात्रावास के निर्माण के लिए भूमि का निशुल्क आवंटन किये जाने के विरोध में सांगानेर बचाओ संघर्ष समिति की ओर से सोमवार को कृष्णा गार्डन, सैक्टर-3 में बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में महामण्डलेश्वर बालमुकुन्दाचार्य महाराज, बडा रामद्वारा रामदयाल महाराज, अर्जुन सिंह सिसोदिया सहित सांगानेर और प्रताप नगर के प्रबुद्धजनों ने भाग लिया। बैठक में हिन्दू समाज ने 18 मई को सांगानेर बन्द का आव्हान किया था। रविन्द्र शर्मा ने बताया कि की प्रताप नगर में किसी भी हालात में मुस्लिम छात्रावास नहीं रहेगा। सांगानेर बचाओ संघर्ष समिति के संयोजक अर्जुन सिंह सिसोदिया ने बताया कि राजस्थान आवासन मण्डल ने हाल ही में प्रताप नगर सेक्टर-3 में एक हजार बच्चों के लिए मुस्लिम छात्रावास बनाने के लिए 5000 वर्गमीटर भूमि का निशुल्क आवंटन किया गया है। इस आवंटन को रद्द करने के लिए सभी हिन्दू समाज के करीब 1 हजार, 1500 लोगों ने सेक्टर तीन की सभा में एक साथ इसका विरोध करने का आव्हान किया और कहा कि 99 प्रतिशत हिन्दू जनता के बीच में मुस्लिम छात्रावास की कोई आवश्यकता नहीं है। इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार गोपाल शर्मा, पूर्व संसदीय सचिव डॉ.कैलाश वर्मा, बार्ड 99 से पार्षद प्रतिनिधि ब्रमप्रकाश शर्मा सांगानेर से करन यादव समाजसेवी शंकर लाल बागड़ा, चेयरमैन शंकर लाल शर्मा, अशोक सिंह निलेश पुरोहित सहित आमजन के साथ सामाजिक संगठनों मौजूद थे।

महरिया आज थामेंगे भाजपा का दामन

जयपुर। प्रदेश में चुनाव समय नजदीक आते ही राजनीतिक उठापटक भी शुरू हो गई है। इसी के बीच शुक्रवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री सुभाष महरिया भाजपा का दामन थामेंगे। महरिया सुबह 10 भाजपा प्रदेश कार्यालय में भाजपा की सदस्यता ग्रहण करेंगे। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ सहित महरिया के सैकड़ों कार्यकर्ता एवं भाजपा नेता मौजूद रहेंगे। महरिया तीन बार सांसद रहे हुए हैं। हालांकि 2009 में चुनाव हारने के बाद 2014 में भाजपा ने उन्हें प्रत्याशी नहीं बनाया। जिससे नाराज होकर मेहरिया ने 2019 के चुनाव में कांग्रेस के टिकट से सीकर से सांसद का चुनाव लड़ा और स्वामी सुबेदानन्द के सामने चुनाव हार गए। महरिया 2004 में केंद्रीय राज्यमंत्री ग्रामीण विकास मंत्रालय में रहे।

कांग्रेस का बिजली के बिल नहीं बढ़ाने का वादा हवा-हवा हो गया : सी.पी.जोशी

जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी आज चित्तौढ़गढ़ दौरे पर रहे। प्रतापगढ़ में मीडिया विभाग में आयोजित प्रेस वार्ता में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र में बिजली के बिल नहीं बढ़ाने का वादा हवा-हवा हो गया। यह सरकार जब से सत्ता में आई है, कुर्सी के चक्रव्यूह में ही फंस कर रही गई, ऐसे में घोषणा पत्र में किए वादे कैसे पूरे हो पाते। उन्होंने कहा प्रदेश सरकार ने साढ़े चार साल जनता को सिर्फ आहत ही किया है अब चुनावी साल में राहत कैंप लगाकर जनता को गुमराह कर रही है। अगर बिजली बिलों में सरकार को बढ़ोतरी करनी थी, तो राहत कैंप लगाकर क्या साबति करना चाह रही है। पब्लिक है सब जानती है।

■ **'कुर्सी के चक्रव्यूह में ही फंसे रहे, कैसे पूरे होते घोषणा पत्र के वादे'**

जोशी ने कहा कि कांग्रेस ने वर्ष 2018 में वादा किया था कि यदि हमारी सरकार बनेगी तो प्रदेश की जनता पर एक पैसे भी बिजली बिल बढ़ोतरी का भार नहीं डालेंगे। लेकिन कोरोना काल के दौरान फ्यूल चार्ज का बढ़ाना और लगातार बिजली बिलों में सरचार्ज के रूप में बढ़ोतरी करना इस बात को इंगित करता है कि राजस्थान सरकार अपने वादे से मुकर गई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस वादा करके सत्ता में आने के बाद हमेशा से ही जनता से वादाखिलाफी करती आ रही है। आमजन और जन भावनाओं से जुड़े मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी सदैव जागृत है और सरकार के खिलाफ आंदोलन करके उसे अपने फैसले पर पुनर्विचार के लिए बाध्य करेगी।

अजमेर में आज कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच हाथापाई होने को लेकर पत्रकारों द्वारा पूछे गए प्रश्न का जवाब देते हुए कहा यह उनका अंदरूनी मामला है, मैं इसके बारे में कुछ भी नहीं कहूंगा किन्तु इस प्रकार की घटनाओं से प्रदेश की जनता का अहित होता है।

जन-जन को दीवार लेखन से जोड़कर घर-घर पहुंचेगी भाजपा : राजेंद्र राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेश भर में आज दीवार लेखन का कार्य का शुभारंभ किया गया। इस दीवार लेखन के माध्यम से भाजपा हर बूथ तक कमल का फूल और प्रदेश भाजपा को जन जन तक पहुंचाने का कार्य करेगी और प्रदेश की भ्रष्ट कांग्रेस सरकार को बेनकाब करने का कार्य अपने स्लोगनो के द्वारा करेगी।

■ **दीवार लेखन से बूथ सशक्त करेगी भाजपा : सी.पी. जोशी**

इस दौरान नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि जन-जन को दीवार लेखन से जोड़कर भाजपा घर-घर पहुंचेगी। वहीं सी.पी.जोशी ने कहा कि दीवार लेखन से भाजपा बूथ सशक्त करेगी।

भाजपा प्रदेश प्रचार प्रसार विभाग के सह संयोजक राजेश तांबी ने बताया कि प्रदेश भर में दीवार लेखन का कार्य का शुभारंभ हुआ। चित्तौड़गढ़ में प्रदेश अध्यक्ष सी पी जोशी, सिविल लाइंस जयपुर में नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, टोंक में पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, बांसवाड़ा में उप नेता प्रतिपक्ष डॉक्टर सतीश पूनियां, भरतपुर में राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवारी, डूंगरपुर में सांसद कनक मल कटारा एवं राजसमंद में प्रदेश महामंत्री सुशील कटारा, जालौर-सिरोही में विधायक जोगेश्वर द्वारा आज दीवार लेखन कर इस अभियान का शुभारंभ किया गया। आगामी दिनों में प्रदेश भाजपा के तमाम विधायक, सांसद, प्रदेश पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष, मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष द्वारा हर बूथ पर दीवार लेखन कर प्रदेश की कांग्रेस सरकार को बेनकाब किया जाएगा।

इन कार्यक्रमों में प्रचार-प्रसार विभाग के प्रभारी अशोक सैनी, संयोजक निर्मल शर्मा ,सह संयोजक मनोज शर्मा की भी उपस्थिति रही।

राज्यपाल को "द साइबेरियन स्ट्रे" की प्रति भेंट

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल कलराज मिश्र को गुरुवार को राजभवन में कक्षा बारहवीं में अध्ययनरत आशी गालरिया और अस्मी ढाकर ने संयुक्त रूप से लिखी अपनी पुस्तक "द साइबेरियन स्ट्रे" की प्रथम प्रति भेंट की।

राज्यपाल मिश्र ने आशी और सह लेखिका की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामना दी। पुस्तक लेखक आशी गालरिया ने बताया कि उनकी यह पुस्तक जानवर और मनुष्य के प्रेम से जुड़ी मार्मिक कथा है। उसने बताया कि इसमें बच्चे एलन और उसके पालतू कुत्ते सफायर के रिश्तों के आलोक में कहानी के अनूठे सूत्र पिरोए गए हैं।

मुझे सबसे ज्यादा खुशी तब होती है जब कोई आदिवासी बेटी तरक्की करती है : डॉ. पूनियां

बांसवाड़ा/जयपुर। वागड़ अंचल में सुदूर जनजाति क्षेत्र बांसवाड़ा के छोटी सरवन में बारी गाँव में राजस्थान विधानसभा उपनेता प्रतिपक्ष व भाजपा पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ.सतीश पूनियां पूर्व मंत्री और जनजाति के वरिष्ठ नेता दलीचंद मईडा और युवा नेता परमेश्वर मईडा द्वारा आयोजित 'गंगाजल विशाल कलश यात्रा' के भव्य आयोजन में सम्मिलित हुये।

इस दौरान उन्हें बेणेश्वर धाम के पीठाधीश्वर श्री अच्युतानंदन महाराज सहित भारी संख्या में पधारे जनसैलाब का आशीर्वाद मिला। बारी में भव्य धार्मिक कार्यक्रम व गंगाजल कलश यात्रा में लगभग 21 हजार लोगों का जनसैलाब उमड़ा और मातृ शक्ति ने 11 हजार कलशों के साथ कलश यात्रा निकाली, जिसमें सतीश पूनियां विशाल जनसमुदाय के साथ कई किलोमीटर पैदल चलकर कलश यात्रा में शामिल हुये। संबोधित करते हुये डॉ. पूनियां ने कहा, पार्टी के केन्द्रीय नेतृत्व के निर्देश पर 21-22 दिन कर्नाटक चुनाव प्रचार में था, फिर राजस्थान आकर पार्टी की गतिविधियों में लगा रहा और खुद के क्षेत्र में लगा था। मुझे यहां आकर आनंद की अनुभूति हुई कि इतनी बड़ी विराट संख्या में आदिवासी भाई-बहन मुझे आशीर्वाद देने पधारे, अपनी आस्था को तो आपने प्रबल किया ही है, मेरे जैसे राजनीति और समाज के व्यक्ति को आप लोगों ने और ऊर्जा से भरपूर कर दिया है। पूनियां ने लोगो से आग्रह करते हुए कहा कि समय बदल गया है, आज पढ़ाई का, संस्कार का, अपने धर्म के प्रति मजबूती से डटे रहने और व्यसन मुक्ति का संकल्प लेने का समय है।

हम सब धर्म के लोग, समाज के लोग, राजनीति के लोग आप सबकी खुशहाली, उन्नित, सम्पन्नता और तरक्की के लिये तैयार हैं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जनजाति समाज के विकास के लिये प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रहे हैं। मैं संकल्पित हूं कि मेरी वाणी और कलम जनजाति के बहनों-भाइयों के उत्थान के लिये चलेगी। उन्होंने कहा कि मुझे अच्छा लगा कि आज गंगा मैया की महिमा के अवसर पर आप सब लोगों के दर्शन का सौभाग्य मिला। मुझे सबसे ज्यादा खुशी तब होती है जब कोई आदिवासी बेटी पढ़-लिखकर तरक्की करती है, सरकार और प्रशासन का हिस्सा बनकर प्रदेश और देश की उन्नित में योगदान देती है। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष गोविंद राव, विधायक कैलाश मीणा, धर्मेंद्र राठौड, प्रधान निर्मला मकवाना, कानहिंग रावत, बलबीर रावत, हकरू मईडा, राजेश कटारा, दीप सिंह वसुनिया, सोनिया वैष्णव, कांतिलाल अहारी, जिला उपाध्यक्ष नरेन्द्र वैष्णव, जिला महामंत्री लाल सिंह पाटीदार, जगमाल सिंह इत्यादि उपस्थित रहे।

यात्री सुविधा समिति ने रेलवे स्टेशनों का निरीक्षण किया

जयपुर, (का.सं.)। पी. के. कृष्णा दास, चेयरमैन, यात्री सुविधा समिति तथा सदस्य ने उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर मंडल के दौरे के दौरान 17 से 18 तक सीकर, रींगस, गांधीनगर जयपुर एवं जयपुर स्टेशनों का निरीक्षण कर यात्री सुविधाओं का जायजा लिया तथा दिशानिर्देश प्रदान कर उन्हे और बेहतर बनाने पर बल दिया।

निरीक्षण के दौरान समिति ने सीकर व रींगस रेलवे स्टेशन पर सफाई व्यवस्था के साथ-साथ खानपान इकाईयों, वेटिंग रूम, बुकिंग सुविधा, पेयजल की उपलब्धता व गुणवत्ता, शौचालय की सुविधा इत्यादि का निरीक्षण किया। उनके द्वारा स्टेशन पर प्रस्तावित विकास कार्यों आदि के बारे में भी रेल अधिकारियों से जानकारी ली गई तथा इस संबंध में उनसे चर्चा भी की गई। समिति के चेयरमैन व सदस्यों द्वारा स्टेशनों पर यात्रियों से चर्चा करके उपलब्ध यात्री सुविधाओं का फीडबैक भी लिया गया जिसमें यात्रियों द्वारा संतोष व्यक्त किया गया। यह समिति यात्री सुविधाओं का जायजा लेने एवं उनमे सुधार के उद्देश्य से प्रति वर्ष देश के विभिन्न रेलवे स्टेशनों का दौरा करती है जिससे यात्री सुविधायों में विस्तार करके यात्रियों को सुविधाजनक यात्रा अनुभव प्रदान किया जा सके। समिति के सदस्यों ने मंडल रेल प्रबंधक, जयपुर नरेन्द्र एवं अन्य रेल अधिकारियों के साथ बैठक कर मण्डल के स्टेशनों पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं के संबंध में विस्तृत चर्चा की।

कोहली ने शतक से लूटी महफिल, आरसीबी आठ विकेट से जीती

हैदराबाद, 18 मई। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने विराट कोहली (63 गेंदें, 100 रन) के शानदार शतक और फाफ डु प्लेसिस (71) के अर्द्धशतक की बदौलत गुरुवार को सनराइजर्स हैदराबाद पर आठ विकेट की दमदार जीत के साथ आईपीएल प्लेऑफ की ओर एक और कदम बढ़ा लिया।

प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी सनराइजर्स ने हेनरिक क्लासेन (51 गेंद, 104 रन) के शानदार शतक की मदद से आरसीबी के सामने 187 रन का लक्ष्य रखा। आरसीबी ने यह लक्ष्य चार गेंदें रहते हुए हासिल कर लिया।

सनराइजर्स की बल्लेबाजी की रीढ़ साबित हुए क्लासेन ने हैदराबाद पर अपनी छाप छोड़ते हुए 51 गेंद पर आठ चौकों और छह छक्कों की सहायता से 104 रन बनाये, हालांकि कोहली के सैकड़े के आगे उनका प्रयास बेकार चला गया। कोहली ने आईपीएल में अपना छठा शतक बनाते हुए 63 गेंद पर 12 चौके और चार छक्के

लगाकर 100 रन बनाये। उन्होंने आईपीएल में सर्वाधिक शतक जड़ने के मामले में क्रिस गेल की बराबरी भी कर ली।

कोहली और डु प्लेसिस 172 रन की साझेदारी के बाद लक्ष्य से कुछ दूर पहले आउट हो गये, जिसके बाद माइकल ब्रेसवेल ने विजयी रन जड़कर आरसीबी को बहुमूल्य दो अंक दिलाये। आरसीबी इस जीत के बाद 14 अंक अर्जित करके अंक तालिका में चौथे स्थान पर आ गयी है, जबकि सनराइजर्स 13 मैचों में सिर्फ आठ अंक के साथ तालिका में सबसे नीचे 10वें स्थान पर है।

कोहली ने क्लासेन के शतक की चमक खत्म करने वाली पारी की शुरुआत लगातार दो चौके जड़कर की, जबकि दूसरे ओवर में भी उन्होंने दो चौके जमाये। आरसीबी के कप्तान फाफ डु प्लेसिस को चौथे ओवर में जीवनदान मिला और उन्होंने इस ओवर में तीन चौके जड़कर रफ्तार पकड़ ली।

दोनों बल्लेबाजों ने पावरप्ले में 65 रन जोड़कर एक आईपीएल सीजन में पहले विकेट के लिये सर्वाधिक अर्द्धशतकीय साझेदारियां (सात) करने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। यह रिकॉर्ड सबसे पहले डेविड वॉर्नर और जॉनी बेयरस्टो ने 2019 में बनाया था, जबकि डु प्लेसिस चेन्नई सुपर किंग्स के लिये रुतुराज गायकवाड़ के साथ 2021 में इसकी बराबरी कर चुके हैं। डु प्लेसिस नौवें ओवर में कैचआउट हुए लेकिन ओवर की दूसरी बाउंसर होने के कारण अंपायर ने उस गेंद को नो बॉल करार दे दिया। यह गलती सनराइजर्स को भारी पड़ी और डु प्लेसिस ने 34 गेंद में अपना अर्द्धशतक पूरा किया।

भारतीय गेंदबाजों की चोटों के बार-बार उभरने से जहीर हैरान

मुंबई, 18 मई। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान ने गुरुवार को कहा कि वह इस बात को लेकर 'हैरान' हैं कि कई तेज गेंदबाज बार-बार चोटिल होने के कारण मैदान से बाहर समय बिता रहे हैं। उन्होंने साथ ही कहा कि कहीं ना कहीं कुछ गलत हो रहा है जिससे उन्हें इतनी 'गंभीर चोटें' लग रही हैं।

कई महीनों से क्रिकेट से दूर जसप्रीत बुमराह के अलावा दाएं हाथ के तेज गेंदबाज दीपक चाहर और प्रसिद्ध कृष्णा भी चोटों के कारण लंबे समय तक मैदान से दूर रहे। चाहर ने मौजूदा आईपीएल में वापसी की लेकिन पैर की मांसपेशियों में चोट के कारण चेन्नई सुपर किंग्स के लिए बीच में कुछ मैच नहीं खेल पाए जबकि प्रसिद्ध को पीठ से संबंधित परेशानी हुई जिसके परिणामस्वरूप उन्हें स्ट्रेस फ्रैक्चर हो गया।

जहीर ने मीडिया से बात करते हुए कहा, "इससे आपकी तरह मैं भी हैरान हूं। आपने गेंदबाजों का जिक्र किया लेकिन कुछ बल्लेबाज भी गंभीर चोटों का सामना कर रहे हैं। यह मेरी समझ से परे है और निश्चित तौर पर इसका संयोजन से कुछ लेना-देना है।" उन्होंने कहा, "कुछ चीजों को ध्यान से देखने की जरूरत है कि वे पूरे सत्र में क्या कर रहे हैं, उनकी ट्रेनिंग और उनके आराम से उबरने का अनुपात और बहुत सारी अन्य चीजें।" इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा, "सिर्फ एक शब्द (वर्णन करने के लिए) में बताना बहुत मुश्किल है कि वास्तव में क्या चल रहा है, लेकिन मैं कहूंगा कि हां, कहीं न कहीं कुछ गलत हो रहा है क्योंकि इन सभी खिलाड़ियों को इतनी बड़ी चोट लग रही हैं।"

लेकिन जहीर इस आईपीएल में अन्य दो प्रमुख भारतीय तेज गेंदबाजों मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज के प्रदर्शन से खुश दिखे। उन्होंने कहा, "उन्हें खेलते हुए देखना शानदार है। उन्होंने चीजों को सरल रखा है, कुछ ऐसा जो आवश्यक है। मैं कहूंगा कि यह पावरप्ले में खेलने का सही तरीका है और यह देखना बहुत अच्छा है कि गेंदबाज (उनके जैसे) इस तरह के उदाहरण पेश कर रहे हैं, चीजों को सरल रख रहे हैं और प्रारूप की जटिलताओं में नहीं फंस रहे।"

जहीर ने कहा कि शमी और सिराज के लिए व्यस्त आईपीएल का उनके कार्यभार पर ज्यादा असर नहीं पड़ना चाहिए क्योंकि टेस्ट मैच की तुलना में कम ओवर गेंदबाजी करनी होती है। भारतीय टीम को सात जून से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल भी खेलना है।

इससे पूर्व तेज गेंदबाज ने मौजूदा आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के उमरान मलिक को संभालने और इस्तेमाल करने के तरीके पर असंतोष व्यक्त किया जिनकी गति ने सभी को प्रभावित किया है।जहीर ने कहा, "मुझे लगता है कि उमरान मलिक को फ्रेंचाइजी द्वारा अच्छी तरह से संभाला नहीं गया है। सनराइजर्स उनकी सेवाओं का बेहतर इस्तेमाल कर सकते थे और यह स्पष्ट है।"

मुंबई इंडियंस के क्रिकेट विकास के वैश्विक प्रमुख जहीर ने कहा कि स्ट्राइक तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह और जोफ्रा आर्चर की गैरमौजूदगी के बावजूद फ्रेंचाइजी ने अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा, "जब आप मुंबई इंडियंस के बारे में बात करते हैं और जब आप देखते हैं कि सत्र चला है तो यह एक आसान सत्र नहीं रहा है (क्योंकि) पहले बुमराह और फिर जोफ्रा आर्चर बाहर हो गए। यह गेंदबाजी के लिहाज से कठिन सत्र रहा है लेकिन बल्लेबाजी बहुत अच्छी रही है- मैं इसे इसी तरह देखता हूं।"

अगर-मगर की कठिन डगर में एक-दूसरे से आगे निकलने का प्रयास करेंगे पंजाब और राजस्थान

धर्मशाला, 18 मई। अभी तक के अपने उतार-चढ़ाव वाले प्रदर्शन के कारण अगर-मगर की कठिन डगर में फंसी पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स की टीम शुक्रवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में खुद को एक दूसरे से बेहतर साबित करके प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी धुंधली उम्मीद बरकरार रखने की कोशिश करेंगी। इन दोनों टीम के 13 मैचों में समान 12 अंक हैं लेकिन राजस्थान की टीम बेहतर रन रेट के आधार पर पंजाब से आगे है। इन दोनों टीम को हालांकि इस मैच में जीत दर्ज करने के अलावा बाकी टीम के मैचों में भी अनुकूल परिणाम के लिए प्रार्थना करनी होगी। पंजाब की टीम फिर से महत्वपूर्ण मौकों पर अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रही। उसके तेज गेंदबाजों ने पावर प्ले और डेथ ओवरों में रन लुटाए जो टीम को भारी पड़े। कैगिसो रबाडा, सैम कुरेन और अर्शदीप सिंह जैसे गेंदबाजों ने लगभग 10 रन प्रति ओवर की दर से रन दिए जिससे टीम पर दबाव बना। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ बुधवार को यहां रबाडा अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं थे। अर्शदीप का उपयोग इस मैच में पावर प्ले और डेथ ओवरों में नहीं किया गया जिस पर सवाल उठने लाजमी हैं क्योंकि यह तेज गेंदबाज डेथ ओवरों में अपनी यॉर्कर और शुरू में अपनी स्विंग से बल्लेबाजों को परेशान करता रहा है। अर्शदीप के प्रदर्शन में हालांकि निरंतरता का अभाव रहा है और इस करो या मरो वाले मैच में अब उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। शिखर धवन ने दिल्ली के खिलाफ 20वें ओवर में बाएं हाथ के स्पिनर हरप्रीत बरार का उपयोग किया लेकिन उनका यह दांव नहीं चला और आखिर में मैच में उनके इस फैसले ने बड़ा अंतर पैदा किया। बल्लेबाजी में पिछले दो मैचों में स्वयं धवन नहीं चल पाए और उन्हें अब आगे बढ़कर नेतृत्व करने की जरूरत है। टूर्नामेंट के पहले चरण में लग रहा था कि राजस्थान रॉयल्स की टीम को हराना बेहद मुश्किल है लेकिन इसके बाद उसकी लय गड़बड़ा गई और पिछले पांच मैचों में से वह केवल एक मैच में जीत दर्ज कर पाई। राजस्थान के पास यशस्वी जायसवाल और युजवेंद्र चहल जैसे बेहद प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं लेकिन इसके बावजूद उसकी टीम महत्वपूर्ण मौकों पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई। जोस बटलर और कप्तान संजू सैमसन ने भी कुछ शानदार पारियां खेली हैं। इन दोनों से टीम को इस मैच में भी बड़ी पारियों की उम्मीद होगी। राजस्थान रॉयल्स की टीम को देखते हुए उसे टूर्नामेंट के शुरू में खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा था लेकिन अगर वह अब मुश्किल परिस्थिति में है तो इसकी जिम्मेदार वह स्वयं है।

एलएसजी ने सूर्यांश शेडगे को 20 लाख में खरीदा

लखनऊ 18 मई। कंधे की चोट के कारण आईपीएल से बाहर हुये जयदेव उनादकट के स्थान पर लखनऊ सुपर जायंट्स ने सूर्यांश शेडगे को टीम में शामिल किया है। एलएसजी ने मीडिया एडवाइजरी जारी कर यह जानकारी साझा की। गुरुवार को टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 के शेष मैचों के लिए चोटिल जयदेव उनादकट की जगह सूर्यांश शेडगे को टीम में शामिल किया गया है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज उनादकट को ट्रेनिंग के दौरान कंधे में चोट लग गई थी। अंडर-19 में बेहतरीन प्रदर्शन कर चुके हरफनमौला सूर्यांश 20 लाख रुपये में एलएसजी से जोड़ा गया है। गौरतलब है कि एलएसजी प्लेआफ में जगह पक्की करने के लिये 20 मई को अपना अगला मुकाबला कोलकाता नाइट राइडर्स से खेलेगी। इस मैच में एलएसजी की टीम दिग्गज फुटबॉल क्लब मोहन बागान की लाल और हरे रंग की जर्सी जैसे रंग की जर्सी पहनकर मैदान पर उतरेगी।

हम कल के मैच को सत्र के आखिरी मुकाबले की तरह देख रहे है : संदीप

धर्मशाला, 18 मई। राजस्थान रॉयल्स कम संभावनाओं के साथ इंडियन प्रीमियर लीग के प्लेऑफ की दौड़ में बना हुआ लेकिन टीम के तेज गेंदबाज संदीप शर्मा ने गुरुवार को कहा कि पंजाब किंग्स के खिलाफ शुक्रवार को खेले जाने वाले मैच को इस सत्र के अपने आखिरी मुकाबले की तरह लेंगे।

राजस्थान रॉयल्स का नेट रन रेट पंजाब किंग्स से बेहतर है लेकिन इस मुकाबले को जीतने वाली टीम को प्लेऑफ में पहुंचने के लिए अन्य मुकाबलों से अनुकूल नतीजों की उम्मीद होगी। संदीप ने मैच की पूर्व संध्या पर कहा, "इस तरह का मैच खेलना सबसे आसान है, आपको ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं होती है। मैदान पर उतर कर अपनी ओर से सर्वश्रेष्ठ करना होता है। हम फिलहाल इस मुकाबले को सत्र का अपना आखिरी मैच मान रहे और इसे सकारात्मक तरीके से खत्म करना चाहेंगे।"

उन्होंने कहा," जाहिर तौर पर यह थोड़ा तनावपूर्ण है, हर टीम प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करना चाहती है और इस साल हमारे लिए चीजें मुश्किल हो गयी है। एक पेशेवर खिलाड़ी के रूप में हालांकि हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा और अपनी टीम के लिए मैच जीतने की कोशिश करनी होगी।" राजस्थान ने शुरुआती पांच मैचों में से चार में जीत के साथ सत्र की शानदार शुरुआत की थी लेकिन टीम इस प्रदर्शन को जारी नहीं रख पायी। संदीप ने इस दौरान चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ आखिरी ओवर में दो शानदार यॉर्कर डाल कर टीम को जीत दिलाई लेकिन सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आखिरी गेंद पर उनका नो बॉल डालना टीम को भारी पड़ा, जिसने उसने लगभग जीती हुई बाजी गंवा दी।

संदीप ने कहा कि लक्ष्य का बचाव करते समय गेंदबाजी करना मुश्किल है। उन्होंने कहा, "अगर आप पहली पारी में गेंदबाजी कर रहे है और आपके खिलाफ 15-16 रन बन गये तब भी दबाव नहीं होगा। लेकिन अगर आप दूसरी पारी में गेंदबाजी कर रहे है तो आप पर ज्यादा दबाव होता है। एक गेंदबाज के तौर पर आपको हालांकि परिस्थितियों से घबराये बिना चुनौतियों को स्वीकार करना होता है।"

तनख्वाह नहीं मिली तो दो कर्मचारियों ने गोदाम में चोरी की

सीसीटीवी फुटेज में कैद हुई वारदात, पुलिस ने दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

अजमेर, (कासं)। कोतवाली थाना क्षेत्र आहता मोहल्ला स्थित एक गोदाम में काम करने वाले दो कर्मचारियों ने दो माह की तनख्वाह नहीं मिलने पर गोदाम में ही चोरी की वारदात अंजाम दे डाली। दोनों आरोपी कर्मचारियों की यह करतूत वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। गोदाम मालिक की रिपोर्ट पर पुलिस ने चोरी वारदात अंजाम देने वाले दोनों कर्मचारी को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल पुलिस दोनों से पूछताछ में जुटी है।

कोतवाली थाने के हेड कांस्टेबल सज्जन सिंह ने बताया कि मूंदड़ी मोहल्ला निवासी हीराचंद चेनानी ने थाने में उपस्थित होकर लिखित शिकायत देते हुए पुलिस को बताया कि 8 मई रात 11 बजे आहता मोहल्ला स्थित उनके गोदाम से रिफ्रेश कंपनी के महंगे गद्दे अज्ञात चोरों ने चुरा लिए है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया। एसपी चूनाराम जाट के दिशा निर्देशों पर पुलिस टीम का गठन किया और जांच पड़ताल शुरू की। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और मुखबीर से मिली सूचना के आधार पर कार्यवाही करते हुए मामले में फरार आरोपी फॉयसागर रोड निवासी सोनू राठौड़ पुत्र छोटू राम व इंदिरा कॉलोनी निवासी रवि उर्फ अक्षय पुत्र जगदीश सोनगरा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चुराया गया माल भी बरामद कर लिया व वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल भी जप्त कर ली है। दोनों आरोपियों को अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ में जुटी है।

पुलिस गिरफ्त में चोरी के आरोपी कर्मचारी।

- गोदाम में काम करने वाले दो कर्मचारियों को दो माह की तनख्वाह नहीं मिली थी

तनख्वाह नहीं मिलने पर दी वारदात अंजाम :- पुलिस की प्राथमिक पूछताछ में दोनों आरोपी कर्मचारियों ने बताया कि वह पीडित चेनानी की दुकान व गोदाम पर ही काम करते थे, लेकिन मालिक द्वारा दो माह से तनख्वाह नहीं दी गई। तनख्वाह नहीं मिलने के कारण ही गोदाम में चोरी की वारदात को अंजाम दी। आरोपी कर्मचारियों द्वारा अंदाज दी गई वारदात की पूरी घटना गोदाम पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी।

चोरी के आरोपी को पुलिस ने बिना कार्रवाई किए छोड़ा

पीड़ित ने पुलिस उप निरीक्षक पर कार्यवाही की मांग को लेकर एसपी को भेजा ज्ञापन

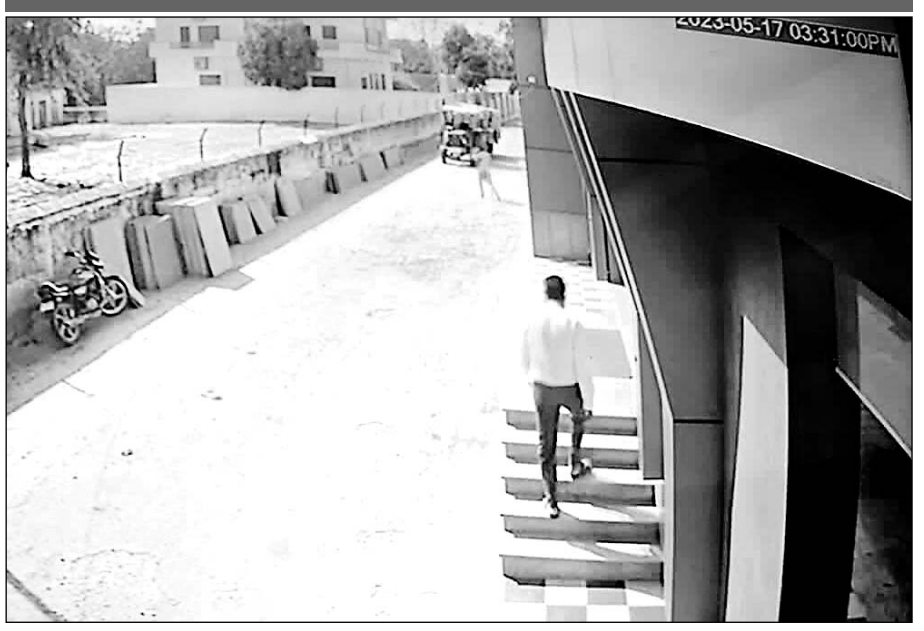

सी.सी.टी.वी. में कैद हुआ आरोपी।

बीदासर, (निसं)। कस्बे के वार्ड 19 में श्रीसती स्टोन के ऑफिस में बुधवार को दिनदहाड़े एक युवक ने ऑफिस को सूना देखकर गल्ले में से बीस हजार रूपये नकदी चुराकर ले गया। सीसीटीवी कैमरों में आये फुटेज को देखकर युवक की पहचान के बाद फर्म के मालिक भगवान सिंह राठौड़ व अन्य कर्मचारियों ने उक्त युवक को पकड़ लिया तथा पुलिस को सूचना देने पर मौके पर पहुंची पुलिस को उक्त युवक को फर्म के मालिक ने पुलिस के हवाले कर दिया। फर्म के मालिक ने उक्त युवक के खिलाफ पुलिस थाने में चोरी की घटना की लिखित रिपोर्ट दी।

लेकिन देर रात तक पुलिस में मामला दर्ज नही हुआ है। पुलिस ने इस मामले में उक्त युवक को शांतिभंग करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। वही फर्म के मालिक भगवान सिंह राठौड़ ने गुरूवार को जिला पुलिस अधीक्षक को ई-मेल द्वारा ज्ञापन भेजकर पुलिस थाना बीदासर के उप निरीक्षक पप्पूराम के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग की है। पुलिस अधीक्षक को भेजे गये ज्ञापन में राठौड़ ने लिखा है कि कस्बा बीदासर क्षेत्र में हाल ही में चोरियों का ग्राफ बढा है। चोरियों की वारदातों ने पुलिस की कार्यशैली पर प्रश्न चिन्ह लगा दिया है और वर्तमान समय में पुलिस की कार्यशैली से प्रश्न उचित भी प्रतित होता है, क्योंकि दिनदहाड़े चोरी करने वाले चोर को पकड़वाने के बावजुद पुलिस उस पर सख्त कार्रवाई नही कर छोड़ दे और परिवादी व पीड़ित के साथ पुलिस दुर्व्यवहार करें। चोरी का नामजद मामला दर्ज नही करें, यह चरितार्थ किया है। राठौड़ ने ज्ञापन में लिखा है कि 17 मई को दोपहर तीन बजे दूंकर रोड़ पर ग्रेनाइट टाईल व मार्बल कोटास्टोन का बड़ा शौरूम गोदाम है।

मौका पाकर रवि कांजर ने कांउटर के गल्ले में से बीस हजार रूपये निकाल लिये। जिसे मौके पर पकड़ लिया तथा पुलिस को सूचना देने पर एक घण्टे बाद उपनिरीक्षक पप्पूराम ने पहुंचकर उक्त युवक को पकड़ कर पुलिस थाने ले गई। लगभग एक घण्टे बाद उपनिरीक्षक ने मुझे सूचना दी कि इस लड़के ने चोरी नही की है। यह चोरी कबूल नहीं कर रहा है, इसको लेकर चले जाओ। बड़े दुर्भाग्य की बात है, कि पुलिस का जिम्मेदार अधिकारी चोर से चोरी की वारदात नहीं उगलवा सका और उसने एक घण्टे में ही निर्णय सुना दिया कि यह चोर नहीं है। मेरे साथ भी उपनिरीक्षक ने अभद्र व्यवहार किया और मुझे व्यापार करने का तरीका सीखाने लग गया। पुलिस की यह कार्यप्रणाली चोरी की वारदाते बढ़ने का कारगर कारण है। राठौड़ ने इस प्रकरण की उच्च स्तरीय जाँच करवाकर पुलिस अधिकारी के खिलाफ विभागीय कार्यवाही करने की मांग की है।

जोधपुर में पायलट-शेखावत के पोस्टर लगे

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट की फोटो लगे पोस्टर लोगों में चर्चा का विषय बना हुआ है। पोस्टर के नीचे जोधपुर जिला कांग्रेस कमेटी के तीन सदस्यों की फोटो और नाम है। ये जिला संगठन महामंत्री कुश गहलोत, सचिव जिला कांग्रेस कमेटी ललित कुमार गहलोत और जिला प्रवक्ता भाकर राम विश्नोई है। पोस्टर में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट की फोटो लगी तस्वीरों के साथ सवाल किया गया है कि संजीवनी घोटाले पर चुप क्यों हो पायलट जी, जनता जवाब मांगती है। ये पोस्टर गुरुवार सुबह शहर के प्रमुख करीब सात जगहों पर लगाए गए हैं।

जोधपुर जिला प्रवक्ता भाकर राम विश्नोई ने बताया कि पोस्टर लगाने का उद्देश्य ये सवाल पूछना है कि सचिन पायलट का गजेंद्र सिंह से क्या रिश्ता है? उन्होंने कहा भ्रष्टाचार उजागर करना, जांच की मांग करना अच्छी बात है। जनहित में यह मुद्दे उठाने चाहिए। हालांकि जोधपुर सांसद और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने इतना बड़ा संजीवनी घोटाला किया। लोगों की मेहनत की करोड़ों रुपए की कमाई चली गई। पायलट साहब की जुबान इस घोटाले पर बंद क्यों है।

भाकर ने कहा कि पायलट ने कभी भी संजीवनी घोटाले पर उंगली नहीं उठाई, न कभी किसी सार्वजनिक मंच से इस घोटाले के बारे में बात की। न कभी किसी सोशल मीडिया पर इसके विरोध में कुछ लिखा। जनता पूछना चाहती है कि ऐसा क्यों?

बोलेरो ने बाइक को टक्कर मारी, अनियंत्रित होकर खाई में गिरी

सिंचाई विभाग के एक्सईएन समेत तीन घायल

सूरतगढ़, (कासं)। सूरतगढ़-हनुमानगढ़ फोरलेन सड़क मार्ग पर टोल नाका के पास गुरुवार को एक सरकारी बोलेरो और बाइक की टक्कर हो गई। हादसे में सिंचाई विभाग के एक्सईएन सहीराम यादव समेत 3 लोग घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए पहले ट्रॉमा सेंटर और फिर निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। हादसे की सूचना मिलने के बाद सिटी पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया।

जानकारी के अनुसार हनुमानगढ़ के सिंचाई विभाग में पदस्थापित एक्सईएन सहीराम यादव सरकारी बोलेरो से गुरुवार सुबह करीब 11 बजे सूरतगढ़ की ओर आ रहे थे। इसी दौरान हनुमानगढ़ फोरलेन सड़क मार्ग पर टोल प्लाजा के पास बोलेरो ने आगे चल रही बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक पर सवार भागसर गांव के निवासी दौलतराम (35) पुत्र सुरजाराम और सुखबीर (32) पुत्र सुंदर सिंह घायल हो गए। वही टक्कर के बाद अनियंत्रित हुई बोलेरो भी सड़क और रेलवे लाइन के बीच की खाई में जा गिरी।

हादसे में एक्सईएन सहीराम यादव भी घायल हो गए। राहगीरों ने सभी घायलों को इलाज के लिए ट्रॉमा सेंटर में भर्ती करवाया। सूचना मिलने के बाद सिटी थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लेने के साथ ही घायलों से हादसे की जानकारी ली। पुलिस ने बताया कि सभी घायलों को पहले सूरतगढ़ के ट्रॉमा सेंटर में इलाज के लिए भर्ती करवाया जहां से गंभीर रूप से घायल हुए दौलतराम को बीकानेर रेफर कर दिया गया। जबकि सुखबीर को भी एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। वहीं एक्सईएन सहीराम यादव के परिजन उन्हें उपचार के लिए हनुमानगढ़ ले गए। पुलिस ने बताया कि हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। इस संबंध में अभी किसी ने मामला दर्ज नहीं करवाया है। बाइक सवार लोगों के टिफिन और अन्य सामान सड़क पर बिखर गए।

पूर्व कलेक्टर के समर्थन में उतरे लोग

अलवर, (निसं)। अलवर के पूर्व कलेक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी का दो दिन पहले तबादला करने के विरोध में गुरुवार को बृज भूमि कल्याण परिषद के बैनर तले लोग विरोध में उतरे। उनका कहना है कि एक ईमानदार अफसर थे, जिन्होंने हजारों बीघा जमीन की बंदरबांट होने के बाद एक्शन लिया था। जमीनों का आवंटन निरस्त किया था। अब राजनीति द्वेषता के चलते उनको हटाया गया है। बृज भूमि कल्याण परिषद के संयोजक डॉ. पंकज गुप्ता का कहना है कि आमजन की समस्याओं का मेज पर निस्तारण करने वाले पूर्व कलेक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी का तबादला गलत किया गया। पूर्व कलेक्टर ने हमेशा ही जनहित के मामलों को आगे रखा। प्रशासन गांवों के संग अभियान के जरिए कई हजार बीघा जमीन के आवंटन को निरस्त किया। हमारी सरकार से मांग है कि इस भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों पर कानूनी कार्यवाही की जाएगी। पूर्व कलेक्टर को वापस अलवर की जनता के बीच लाया जाए। बृज भूमि कल्याण परिषद के नेतृत्व में काफी लोगों ने मोती डूंगरी से मिनी सचिवालय तक विरोध मार्च निकाला।

बारातियों को लात-घूसों से पीटा, 10 घायल

डूंगरपुर, (निसं)। नाचने-गाने के बाद बाराती आराम से बैठे हुए थे और दूल्हा-दुल्हन फेरे ले रहे थे तभी 20-25 बदमाशों ने बारात पर हमला कर दिया। लात-घूसों और पत्थरों से बारातियों को पीटा। बीच बचाव में आई एक महिला के साथ भी बदमाशों ने छेडछाड करते हुए उसके जेवर लूट लिए। हमले में 10 बाराती घायल हो गए। इस मारपीट का वीडियो सामने आया है। मामला डूंगरपुर सदर थाना क्षेत्र के खडाइया डचकी गांव का है।

सदर थाने के एएसआई ने बताया कि उदयपुर जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र में काली घाटी कटेव निवासी दिनेश पुत्र गोमा डामोर की ओर से 17 मई को शाम मामला दर्ज कराया गया है। रिपोर्ट में बताया कि 16 मई को उसके बेटे जिग्नेश की बारात खडाइया डचकी गांव में भगवतीलाल पुत्र हरजी के घर गई थी। बारात गांव में रोड साइड पर एक घर पर रुकी थी। नाचने.गाने के बाद सभी बाराती आराम कर रहे थे और दूल्हा जिग्नेश और दुल्हन सुमित्रा के फेरे चल रहे थे। दोपहर करीब 1 बजे उसी गांव के गणेश पुत्र बदा मीणा, नाना पुत्र अमृतलाल मीणा, तूफान पुत्र गणेश मीणा, प्रकाश पुत्र मुकेश मीणा, भरत पुत्र मुकेश मीणा, उमेश पुत्र मुकेश मीणा और उनके 20 साथी हाथों में लट्ठ, पत्थर लेकर आए। सभी लोगों ने मिलकर बारातियों के साथ लातों-घूसों से मारपीट शुरू कर दी।

बदमाशों ने मारपीट करते हुए 10 से ज्यादा लोगों को लहुलूहान कर दिया। हमले में बाराती कावाराम, राकेश, विकास और नरेश को गंभीर चोटें आई हैं। वहीं, बीच बचाव करने आई महिला के साथ भी बदमाशों ने छेडछाड करते हुए उसका सोने का नेकलेस और सोने का टीका लूट लिया। बारातियों से मारपीट और लूटपाट के बाद बदमाश भाग गए। घायलों का जिला अस्पताल में इलाज करवाया गया। पुलिस ने दूल्हे के पिता दिनेश की रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज किया है। वहीं, घटना को लेकर सदर थाने के एएसआई नरेंद्रसिंह की ओर से जांच की जा रही है।

शादी से लौट रही पैसेंजर टैक्सी पलटी, दो की मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के पुराना हाईकोर्ट रोड पर देर रात एक पैसेंजर टैक्सी पलटी खा गई। हादसे में टैक्सी में सवार 11 लोगों में से एक महिला और मासूम की मौत हो गई। जबकि नौ लोग चोटिल हो गए। एक महिला अब भी अस्पताल में भर्ती है। पुलिस ने घटना में मामला दर्ज करते हुए अब जांच आरंभ की है। शवों को कार्रवाई के बाद परिजन के सुपुर्द कर दिया गया है।

उदयमंदिर थाने के एएसआई सुरेशचंद्र ने बताया कि महामंदिर, बीजेएस नट बस्ती के राजनट जाति के परिवार के कुछ लोग रात को एक पैसेंजर टैक्सी में शादी समारोह में गए थे। यह लोग रात 11 बजे के आसपास वापिस शादी से लौट रहे थे। इनकी टैक्सी पुराना हाईकोर्ट रोड पर अचानक से पलटी खा गई। हादसे में नट बस्ती बीजेएस की रहने वाली 45 साल की सुनीता पत्नी राजेश राजनट एवं उसका भतीजा 3 साल का राम उर्फ जामुन की मौत हो गई। सुनीता की मौत घटना स्थल पर ही हो गई। जबकि राम उर्फ जामुन ने अस्पताल में उपचार के समय दम तोड़ दिया। टैक्सी चालक अनिल राजनट था।

टैक्सी में चालक की पत्नी 32 साल की मनीषा भी थी, वह ज्यादा चोट लगने पर अस्पताल में उपचाराधीन है। टैक्सी में ज्यादातर बच्चें थे। जिनके घायल होने पर प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। एएसआई सुरेशचंद्र ने बताया कि घटना में मृतका सुनीता के पति राजेश पुत्र जेताराम राजनट की तरफ से मामला दर्ज कराया गया है। दुर्घटना के संबंध में प्रथम दृष्टया बताया गया कि टैक्सी के सामने अचानक से किसी बड़े वाहन की लाइट का फोकस रहने से टैक्सी पलट गई और यह लोग चोटिल हो गए।

बोरबेल का तार काटा, लोग परेशान

रींगस, (निसं)। शहर के बेरा वाली ढाणी वार्ड 33 में जलदाय विभाग के बोरबेल की केबिल अज्ञात लोग काट कर ले गये। इससे वार्ड में पेयजल संकट खडा हो गया। सूचना पर मौके पर जलदाय विभाग के अधिकारी पहुंचे। बाद में पुलिस में मामला दर्ज करवाया गया।

देवेन्द्र जांगिड़ ने बताया कि बेरावाली ढाणी के बोर से देर रात चोर केबल काट कर ले गये। इससे बोर में लगी केबिल भी पाताल में जाकर गिर गई। आये दिन होने वाली इन चोरियों से पेयजल आपूर्ति भी प्रभावित हो रही है। सबमर्सिबल पम्प को मशीनों के द्वारा बोर से बाहर निकाल कर केबल जोड़नी पडती है। इससे अन्य कार्य भी प्रभावित हो रहे है। इस सम्बन्ध में पुलिस में शिकायत की गई है।

जलदाय विभाग की आये दिन चोर केबल काट कर ले जाते है। इससे जलदाय विभाग तो परेशान है ही जनता भी खासी परेशान है। बताया जा रहा है कि चोर केबल तो चुराते ही है साथ ही जलदाय विभाग के परेशानी भी खडी कर देते है। केबल काटने से बची हुई केबल बोर में गिर जाती है। इस वजह से मशीनों से बोर से पाईप व सबमर्सिबल पम्प को भी निकालना पडता है। गर्मी होने की वजह से मैकेनिक भी तैयार नही होते । इस वजह से और ज्यादा परेशानी उठानी पडती है। अन्य कार्य को छोडकर कर्मचारियों को यहा पर लगना पडता है।

भिक्षावृति मांगने वाले का मिला शव

सुजानगढ़, (निसं)। सुजानगढ़ के चौथमल सेठिया विश्रामालय में गुरूवार दोपहर को एक भिक्षावृत्ति मांगने वाले का शव मिला। शव की सूचना स्थानीय लोगों ने कोतवाली थाने पर दी।

जिस सूचना पर एसआई दिलीप मीणा मय जाप्ते के मौके पर पहुंचे और शव को 108 एंबुलेंस की मदद से राजकीय बगडिया अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। मृतक की शिनाख्त नहीं हुई है, जिसके लिए कोतवाली पुलिस मृतक की पहचान करने में जुटी है। प्रथम दृष्टया मौत के कारण अत्यधिक गर्मी को माना जा रहा है। फिलहाल पुलिस थाने में किसी प्रकार की रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई है।

पानी की निकासी को लेकर प्रदर्शन किया

सादुलपुर, (निसं)। कस्बा राजगढ के ढढाल लेखू रोड पर सडक पर पानी निकासी को लेकर चक्का जाम प्रदर्शन किया गया। इस मौके पर पीडब्ल्यूडी के अधिकारी व नगर पालिका ईओ प्रियंका बुडानिया जाम की सूचना पर मौके पर पहुंची तथा मौहल्ले वासियों से समझाईश कर पानी निकासी का आश्वासन दिया गया।

इसके अलावा पानी मौके पर निकालने के लिए नगरपालिका के कार्मिकों को भेजा। वहीं मोहल्लेवासियों ने अधिकारी से सडक बनाने की माँग की। इस मौके पर भाजपा किसान मोर्चा जिला महामंत्री कृष्ण भाकर, महेश कुमार, शुभराम बाजिया, सत्यपाल पूनिया, प्रेम बलौदा, बलवीर जांगिड, मोहन शर्मा, सुमित्रा देवी, तारा देवी, मन्जू, सुमन देव व अनिता आदि मौजूद रहें।

- पी.डब्ल्यू.डी. के अधिकारी व पालिका ई.ओ. प्रियंका बुडानिया ने से समझाइश की

आंदोलन जारी

चूरू, (कासं)। अखिल भारतीय किसान सभा द्वारा खरीफ 2021 व 2022 का बीमा क्लेम क्रॉप कटिंग के आधार पर देने की मांग को लेकर जिले में आंदोलन जारी है। जिलाध्यक्ष इंद्राज सिंह ने बताया कि बकाया बीमा क्लेम को लेकर जिले में आंदोलन को 14 महीने बीत गए लेकिन अभी तक सरकार और बीमा कंपनी कोई सुध नहीं ले रही है। उन्होंने बताया कि 2 जून को चूरू कलेक्ट्री आने के लिय 28 मई से जिले के हर तहसील से किसान पैदल कूच कर रहे हैं और वापिस बीमा क्लेम लेकर जाएंगे। तहसील उपाध्यक्ष रामकृष्ण छींपा ने बताया कि चूरू तहसील के हर गांव में किसान जनसंपर्क कर रहे हैं। आज जनसंपर्क के दौरान खारिया, रामपुरा बास, धोधलिया, ढाढरिया बनिरोतान, ढाढरिया चारणान, बालरासर, दुधवा मीठा सहित अनेक गांवों में जनसंपर्क किया।

पंजाब निर्मित 450 कार्टन अंग्रेजी शराब से भरा ट्रक जब्त, दो गिरफ्तार

जब्त शराब की अनुमानित किमत 34 लाख आंकी गई

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ़ थाना पुलिस ने कार्रवाई कर एक कंटेनर से अवैध अंग्रेजी बरामद कर आरोपीगणों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

महानिरीक्षक पुलिस बीकानेर रैंज बीकानेर द्वारा अवैध शराब की धरपकड हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के चलते राजेश कुमा मीना जिला पुलिस अधीक्षक चूरू के निर्देशन में अशोक कुमार बुटोलिया अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजगढ, ओमप्रकाश गोदारा वृताधिकारी वृत राजगढ व थानाधिकारी पुलिस थाना राजगढ सुभाष चन्द्र पुलिस निरीक्षक के निकटतम सुपरविजन में नरेन्द्र कुमार आरपीएस (पी) की टीम नवीन कुमार कास्टेबल, संदीप कुमार कास्टेबल, कुलदीप कुमार कास्टेबल व चालक सत्यवीर कास्टेबल के जिला स्पेशल टीम के विशेष सहयोग से गुरूवार 18 मई को नाकाबंदी के दौरान चालक महेन्द्र पुत्र श्यामलाल जाति बिश्नोई उम्र 21 साल निवासी बावरला पुलिस थाना ढागियावास जिला जोधपुर व परिचालक सत्येन्द्र उर्फ सत्तू पुत्र ताराचन्द जाट उम्र 27 साल निवासी बैरास पुलिस थाना बलारा जिला सीकर को गिरफतार कर आरोपियों के कब्जा से एक बन्द बॉडी कन्टेनर में कुल 450 कार्टून अवैध अंग्रेजी शराब पंजाब निर्मित जब्त कर राजगढ थाने में मामला दर्ज किया गया है।

राजगढ़ थाना पुलिस ने कंटेनर से अवैध अंग्रेजी बरामद कर आरोपियों को गिरफ्तार किया।

प्रथमदृष्या पुछताछ में जबतशुदा अवैध अंग्रेजी शराब पंजाब से गुजरात ले जाया जाना सामने आया है तथा जबतशुदा शराब की अनुमानित लागत 34 लाख रूपये है।

टीम में पुलिस थाना राजगढ से नरेन्द्र नागर आपीएस (पी), नवीन कुमार कानि., संदीप कुमार कानि., कुलदीप कानि., सत्यवीर चालक कानि. व जिला स्पेशल टीम के सुरेश कस्वा पुलिस निरीक्षक प्रभारी जिला स्पेशल टीम चूरू, रोशनलाल कानि., मुकेश कुमार कानि., अजय कुमार कानि., व रामफल कानि चालक आदि ने कार्यवाही में शामिल रहे।

दुराचार करने वाले अभियुक्त को सजा

अजमेर, (कासं)। अजमेर रेंज आईजी की ओर से चलाए गए अभियान 'आवाज दो' के तहत गुरुवार को नाबालिग से दुराचार करने वाले एक अभियुक्त को 20 साल के कठोर कारोबास की सजा से दंडित किया गया।

आवाज दो अभियान के तहत अब तक 40 से अधिक मामलों में आरोपियों को सजा दिलवाई जा चुकी है। आवाज दो अभियान के अंतर्गत पुलिस थाना टोडारायसिंह जिला टोंक के प्रकरण संख्या 168/2021 में अभियुक्त मेहबूब खां उर्फ कालू पुत्र ईद मोहम्मद जिला टोंक निवासी को न्यायालय पोक्सो कोर्ट टोंक ने 20 वर्ष के कठोर कारावास के दंड से दंडित किया है। पुलिस थाना टोडारायसिंह जिला टोंक पर 24 मई 2021 को प्रार्थी ने एक लिखित रिपोर्ट पेश की जिसमें प्रार्थी ने बताया कि उसकी नाबालिग बेटी को अभियुक्त रात्रि के समय मुहं बन्द कर घर के पीछे खेत में ले गया व गलत काम करने की कोशिश की आदि रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया।

- आवाज दो अभियान में रेंज आईजी ने केस ऑफिसर नियुक्त किया

प्रकरण में अनुसन्धान से अभियुक्त के विरुद्ध दुराचार का आरोप प्रमाणित पाए जाने पर आरोप पत्र न्यायालय में पेश किया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी परिपत्र व ऐसे प्रकरणों के संबंध में आरोपी को कठोर सजा दिलवाने में महानिरीक्षक पुलिस अजमेर रेंज अजमेर द्वारा आवाज दो अभियान के अन्तर्गत दिशा-निर्देश जारी करते हुए प्रकरण को केस ऑफिसर स्कीम में चयन कर नियमित रूप से पैरवी के लिए टोडाराय सिंह के थानाधिकारी दातार सिंह को केस ऑफिसर नियुक्त किया गया। प्रकरण का सुपरविजन अजमेर रेंज आईजी रुपिंदर सिंघ व पुलिस अधीक्षक टोंक ने लगातार किया। अजमेर रेंज में आवाज दो अभियान के अंतर्गत अब तक 40 प्रकरणों में 2 में फांसी, 12 में आजीवन करावास, 17 में 20 साल की सजा, 4 में 10 साल की सजा, एक में 7 साल की सजा, 4 में साढ़े तीन साल की सजा कठोर सजा दिलवाई जा चुकी है।

अजमेर में कांग्रेसियों से फीडबैक लेने के लिये राजस्थान की सह प्रभारी अमृता धवन के आने से पहले ही कांग्रेस के दो गुट आपस में भिड़ गये। एक गुट ने कार्यक्रम का बहिष्कार किया इसके अलावा माइक भी बंद करवा दिया। मामला शांत करने के लिए जब आर.टी.डी.सी. चेयरमैन धर्मेन्द्र सिंह राठौड़ व रामचन्द्र चौधरी कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे तो दोनों गुटों के बीच जमकर लात-घूंसे चले। स्थानीय कांग्रेसियों ने बाहर से आये नेताओं एवं कार्यकर्ताओं को मारपीट कर कार्यक्रम स्थल से बाहर निकाल दिया।

अजमेर में पायलट और गहलोत समर्थकों के बीच जमकर मारपीट हुई

राजस्थान में कांग्रेस की सह प्रभारी अजमेर शहर के कार्यकर्ताओं का फीड बैक लेने आने वाली थीं, उससे पहले ही मारपीट हो गई

- **शहर कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने डेयरी अध्यक्ष रामचन्द्र चौधरी व देहात कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के कार्यक्रम में आने पर नाराजगी जताई और इसी बात पर विवाद बढ़ गया।**
- **बाद में धर्मेन्द्र राठौड़ भी कार्यकर्ताओं को मनाने पहुंच गए तो कार्यकर्ताओं का गुस्सा और बढ़ गया, क्योंकि स्थानीय कांग्रेसी धर्मेन्द्र राठौड़ के बढ़ते राजनैतिक व प्रशासनिक दखल से नाराज हैं।**

अजमेर, 18 मई, (कासं)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय सचिव व राजस्थान में कांग्रेस की सहप्रभारी अमृता धवन के अजमेर कार्यक्रम से पहले ही कांग्रेस के दो गुटों में भारी भिड़ंत हो गई, और विवाद इतना बढ़ा कि धवन के आने से पहले ही पायलट गुट के कांग्रेसियों ने कार्यक्रम का बहिष्कार कर दिया। बात इतनी बढ़ी कि दोनों गुटों में जमकर लात-घूंसे चले यहां तक कि कार्यक्रम स्थल भी गोविंदम मैरिज गार्डन से बदलकर सर्किट हाउस करना पड़ा।

विवाद की शुरुआत तब हुई जब आर.टी.डी.सी. चेयरमैन धर्मेन्द्र सिंह राठौड़ व डेयरी चेयरमैन रामचन्द्र चौधरी कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे तो निवर्तमान शहर अध्यक्ष विजय जैन, उनके समर्थक व स्थानीय कांग्रेसियों ने उनका विरोध किया बात बढ़ गई और जमकर मारपीट हुई। स्थानीय कांग्रेसियों ने दूसरे गुट को मारपीट कर कार्यक्रम स्थल से निकाल दिया। चर्चा है कि सीएम अशोक गहलोत की शह पर आर.टी.डी.सी. अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह राठौड़ को राजनैतिक व प्रशासनिक दखल बढ़ता जा रहा है, जिसके कारण अधिकतर कांग्रेसी नाराज हैं।

अजमेर में कांग्रेस की सचिव व राजस्थान की सह प्रभारी अमृता धवन का फीडबैक कार्यक्रम 11 बजे से गोविंदम मैरिज गार्डन में शुरु होना था पर उससे पहले ही मारपीट हो गई। कार्यक्रम शुरु होने से पहले ही अजमेर डेयरी फैडरेशन अध्यक्ष रामचंद चौधरी देहाद कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के साथ वहां पहुंच गए, जिससे बात बिगड़ गई। उसके बाद शहर जिला कांग्रेस ने निवर्तमान शहर अध्यक्ष विजय जैन के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने कार्यक्रम का बहिष्कार किया।

विजय जैन का कहना था कि इस फीडबैक कार्यक्रम में केवल पदाधिकारियों को ही भाग लेना है। यहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भीड़ जमा नहीं की जानी चाहिए और इसी बात को लेकर राम चंद्र चौधरी और विजय जैन आपस में भिड़ गये। इस पूरे घटनाक्रम में एक तरफ़ मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के समर्थक माने जाने वाले रामचंद्र चौधरी थे तो दूसरी तरफ़ से पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के समर्थक विजय जैन। मसूदा से कांग्रेस विधायक राकेश पारीक, पूर्व विधायक रामनारायण गुर्जर सहित बड़ी संख्या में पायलट समर्थक भी कार्यक्रम में मौजूद थे, जिन्होंने इस घटना के बाद कार्यक्रम का बहिष्कार कर दिया। आर.टी.डी.सी. चेयरमैन धर्मेन्द्र राठौड़ जब नाराज पायलट समर्थकों को मनाने के लिए पहुंचे तो एक बार फिर पायलट समर्थक उग्र हो गए। उन्होंने राठौड़ के साथ आए एक कार्यकर्ता की पिटाई कर दी, भीड़ के बीच में से पुलिस ने धर्मेन्द्र राठौड़ को बाहर निकाला।

निवर्तमान कांग्रेस शहर अध्यक्ष विजय जैन ने बताया कि अजमेर शहर के पदाधिकारियों का कार्यक्रम आयोजित किया जाना था, लेकिन वह डेयरी अध्यक्ष रामचंद्र चौधरी अपने डेयरी संचालकों के साथ वहां आ गए जिससे बात इतनी बिगड़ गई।

सूत्रों ने बताया कि, आज एआईसीसी की सचिव राजस्थान की सह प्रभारी अमृता धवन कार्यकर्ताओं को संबोधित करने और फीडबैक लेने के लिए अजमेर के गोविंदम मैरिज गार्डन में सुबह 11 बजे पहुंचना था, इससे पहले ही कांग्रेस देहात के पदाधिकारी और अजमेर डेयरी अध्यक्ष रामचंद्र चौधरी अपने समर्थकों के साथ अमृता धवन का स्वागत करने के लिए वहां पहुंच गये। कांग्रेस के निवर्तमान शहर अध्यक्ष विजय जैन ने देहात के कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को कार्यक्रम स्थल से बाहर जाने की बात कही, इसे लेकर देहात और शहर के कार्यकर्ता आमने-सामने हो गए और देहात के कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम स्थल से बाहर जाने के लिए इंकार कर दिया। इसके बाद शहर के सभी कांग्रेस कार्यकर्ता बाहर आ गए और उन्होंने कार्यक्रम का बहिष्कार किया और साउण्ड सिस्टम भी हटा दिया।

घड़साना मंडी में 60 भेड़ और पांच बकरियों की मौत

अनूपगढ़, 18 मई (कासं)। घड़साना मंडी के गांव 2 आर.के.एम. (कुंडल) में बुधवार देर रात को संदिग्ध परिस्थितियों में 60 भेड़ और 5 बकरियों की मौत हो गई। पशुपालक शौकत अली ने इसकी सूचना आज सुबह सरपंच महावीर बिरट को दी। सूचना मिलने पर सरपंच और ग्रामीण मौके पर पहुंचे और मौके का जायजा लिया।

सरपंच ने बताया कि इसकी सूचना प्रशासन को दे दी गई है मगर अभी तक भेड़ और बकरियों की मौत के कारण का खुलासा नहीं हो पाया है। सरपंच ने बताया कि, मृत पशुओं में से लगभग 10 पशुओं के चोट के निशान भी हैं। माना जा रहा है कि, आसमान से बिजली गिरने से भेड़ और बकरियों की मौत हुई है।

सरपंच महावीर बिरट ने बताया कि, उन्हें पशुपालक शौकत अली ने जानकारी दी कि, देर रात्रि जब तेज बरसात हो रही थी तो वह अपने परिवार के सदस्यों के साथ घर में सो रहा था और बाहर बाड़े में भेड़ और

- **भेड़ और बकरियों की मौत के कारण का खुलासा नहीं हो पाया है। सरपंच ने बताया कि, मृत पशुओं में से लगभग 10 पशुओं के चोट के निशान भी पाए गए हैं।**

बकरियां बंधी हुई थीं। शौकत ने बताया कि, सुबह लगभग 3-4 बजे जब वह लघुशंका के लिए उठा तो उसने देखा कि, बाड़े में सभी भेड़ें और बकरियां मृत पड़ी हुई हैं।

सूचना मिलने पर सरपंच महावीर बिरट, जिला परिषद सदस्य दलीप मेघवाल, राजू जाट, विक्रम ठाकुर सहित अन्य ग्रामीण मौके पर पहुंचे और मौके का जायजा लिया। सरपंच ने इसकी सूचना तहसीलदार को दे दी है मगर अभी तक कोई भी प्रशासनिक अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा है। सरपंच ने बताया कि, पशुपालक शौकत अली पशुओं के जरिए ही अपना जीवन यापन कर रहा था, अब उसके पास जीवन यापन करने के लिए कोई भी सहारा नहीं है। सरपंच तथा अन्य जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन से मुआवजे की भी मांग की है।

तहसीलदार ने बताया कि, घटना की जानकारी मिलने पर डॉक्टर की टीम भी मौके पर भेजी जा रही है और वह खुद भी मौके पर जा रहे हैं।

'वन विभाग की भूमि पर अवैध निर्माण कैसे हो रहा है?'

अदालत ने जलदाय विभाग और वन विभाग के अधिकारियों को सुनवाई के लिए प्रस्तुत होने के आदेश दिए हैं

- **मामले में याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया है कि, जलदाय विभाग ने ''नाहरगढ़ नोटिफाईड एरिया'' में बड़ी टंकी के निर्माण कार्य को अनुमोदित कर दिया, जबकि उसने वन विभाग से अनुमति ही नहीं ली है।**
- **याचिकाकर्ता का यह भी कहना है कि, जलदाय विभाग के अनाधिकृत निर्माण की आड़ में कई अन्य स्थानीय लोगों ने नाहरगढ़ की पहाड़ी पर अवैध निर्माण कार्य शुरू कर दिए हैं और ''सिंकिंग एरिया'' होने के कारण भी यह खतरनाक है।**

जयपुर, 18 मई (कासं.)। राजस्थान हाई कोर्ट ने वन विभाग की भूमि पर जलदाय विभाग द्वारा नियमों का उल्लंघन करते हुए पानी की टंकी बनाने के विरूद्ध दायर याचिका की सुनवाई की और अदालत ने जलदाय विभाग के सचिव, वन विभाग के संरक्षक तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को शुक्रवार को पेश होने के आदेश दिए। यह आदेश कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश एम.एम. श्रीवास्तव तथा न्यायाधीश अनिल कुमार उपमन ने मनोज कुमार द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए है।

इस मामले में अदालत ने सुनवाई के लिए 8 मई की तारीख तय की थी परंतु समय के अभाव में मामले पर सुनवाई नहीं हो पाई। इसलिए अदालत ने गुरुवार को इस मामले को 'अर्जेंट' सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया था।

इस मामले में याचिकाकर्ता के अधिवक्ता प्रतीक खण्डेलवाल ने बताया कि ''नाहरगढ़ नोटिफाईड एरिया'' जो पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है, और वहां वन की विभाग अनुमति के बगैर कोई निर्माण कार्य नहीं किया जा सकता। उन्होंने आगे बताया कि उक्त जमीन 'सिंकिंग' क्षेत्र यानि धंस रही ज़मीन घोषित की गई है, इसलिए भी यहां कोई निर्माण कार्य नहीं किया जा सकता। याचिकाकर्ता की ओर से अदालत को यह भी बताया गया है कि जलदाय विभाग के द्वारा अनुमोदित इस अवैध निर्माण की आड़ में कई अन्य स्थानीय लोग भी उक्त क्षेत्र में निर्माण कार्य करने लगे हैं और उन्हें जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (जे.वी.वी.एन.एल.) द्वारा अनाधिकृत तरीके से बिजली के कनैक्शन भी दिए जा रहे हैं।

याचिकाकर्ता ने इन अवैध निर्माणों और अनाधिकृत तरीके से बिजली कनैक्शन के बांटे जाने के खिलाफ भी कार्यवाही की गुहार लगाई है।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि इस मामले पर अदालत ने जलदाय विभाग और वन विभाग से जवाब मांगा था, परंतु अभी तक भी दोनों विभागों की और से कोई जवाब दायर नहीं किया गया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए अदालत ने शुक्रवार को विभागों के अधिकारियों को सुनवाई के लिए पेश होने को कहा है।

द्रविड़ पार्टियाँ, द्रमुक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दोनों जगहों पर भाजपा नेताओं के निशाने पर हैं। सभी का कहना है कि राजनैतिक और चुनावी मामलों से डील करने में अन्नमलाई अनुभवहीन हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अन्नामलाई ने एक ही चुनाव लड़ा वो भी 25,000 वोट से हार गए। उन्होंने 2021 में अरावाकुरुची से चुनाव लड़ा था यह भी माना जाता है कि तब भी उनके सहयोगी पार्टी अन्नाद्रमुक के नेताओं से मतभेद थे।

और आज तमिलनाडु में भाजपा और अन्नाद्रमुक के बीच भारी कलह है। भाजपा के लिए तमिलनाडु बहुत महत्वपूर्ण हैं जो लोकसभा में 39 सांसद भेजता है। उत्तरी भारत के कुछ राज्यों में सीटों की संख्या में संभावित कमी को भाजपा दक्षिण भारत से पूरा करना चाहती है, इसीलिए भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व ने अन्नाद्रमुक से गठजोड़ के खिलाफ बोलने पर अन्नामलाई को फटकारा था। अब तमिलनाडु की राजनीतिक में एक महत्वपूर्ण घटक और आ गया है वह है कर्नाटक मे कांग्रेस की जीत। द्रमुक, जो कि अन्नामलाई द्वारा स्टालिन, उनके बेटे व दामाद पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाने से सख्त नाराज़ है, चाहेगी कि कर्नाटक में कांग्रेस सरकार अन्नामलाई की पृष्ठभूमि और करियर की जाँच करें। अन्नामलाई कर्नाटक के आई.पी.एस. अफसर थे और भाजपा में आ गए थे। द्रमुक चाहती है कि अन्नामलाई पर चुनाव के दौरान लगे आरोप की कांग्रेस जाँच करे। उन पर आरोप था कि चुनाव में लोगों को बांटने के लिए वे बहुत सारी नकदी ले गए थे। इस आरोप को जाँच के बाद हालांकि चुनाव आयोग ने खारिज कर दिया था लेकिन द्रमुक चाहती है कि राज्य पुलिस मामले की जाँच करे। कांग्रेसी जीत का असर कांग्रेस व द्रमुक के गठबंधन पर भी पड़ेगा। अब कांग्रेस लोकसभा चुनाव में ज्यादा सीटें माँगेगी।

तेज आंधी से जन जीवन अस्त-व्यस्त

बीदासर, 18 मई (निसं)। कस्बे में बुधवार को आधी रात के बाद तेज अंधड़ आया। लगभग दो घण्टे तक चली इस तेज आंधी से कस्बे की विद्युत व्यवस्था चरमरा गई। कई जगह पेड़ व बिजली के पोल टूटकर जमीन पर आ गिरे। वहीं घरों में धूल ही धूल हो गई, जिससे गृहणियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। अंधड़ ने बिजली के कई पोल गिरा दिए जिसके कारण कस्बे सहित आसपास के गावों की बिजली गुल रही।

- **चूरू के बीदासर कस्बे में तेज अंधड़ से पेड़ व बिजली के 12 खम्बे टूट गए, विद्युत विभाग को भारी नुकसान हुआ है।**

जोधपुर डिस्कॉम के सहायक अभियंता राजेश कुमार मीणा ने बताया कि, बुधवार की देर रात आये तेज अंधड़ से क्षेत्र में 12 विद्युत पोल तथा दो डीपी टूट कर जमीन पर आ गिरीं। इससे पूर्व, दो दिन पहले आये अंधड़ में भी क्षेत्र में 150 विद्युत पोल टूटकर चकनाचूर हो गये थे, जिससे विभाग को लाखों रूपये का नुकसान हुआ।

बिहार में जातिगत जनगणना पर रोक जारी रहेगी

नई दिल्ली, 18 मई। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में जाति जनगणना पर पटना हाई कोर्ट के स्टे ऑर्डर को हटाने से इनकार कर दिया है। यानि कि कोर्ट के इस आदेश के बाद बिहार में जातीय जनगणना पर रोक जारी रहेगी। सुप्रीम कोर्ट ने एक आदेश में पटना हाईकोर्ट के उस आदेश को रद्द करने से इनकार किया जिसमें बिहार सरकार द्वारा किए गए जाति सर्वेक्षण पर रोक लगाई गई है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 14 जुलाई को होगी।

इस मामले पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अभय ओक ने दो टूक कहा, पटना हाईकोर्ट के अंतरिम फैसले में काफी हद तक स्पष्टता है, लेकिन अंतिम फैसला आए बगैर इस पर सुनवाई नहीं होगी। सुप्रीम कोर्ट को इसमें अंतरिम राहत नहीं दे सकता है। हाईकोर्ट अपनी दी तारीख 3 जुलाई पर सुनवाई कर फैसला नहीं देगा तो सुप्रीम कोर्ट 14 जुलाई को यहां दलील सुनेगा।

केन्द्र सरकार प्राइवेट सैक्टर के लोगों को निदेशक व उप सचिव के पदों पर नियुक्ति देगी

केन्द्र सरकार ने 20 विशेषज्ञों को अपने 12 विभागों में कॉन्ट्रैक्ट के आधार पर नियुक्त करने का फैसला किया है

- **आमतौर पर, संयुक्त सचिवों, निदेशकों और उप सचिवों का पद अखिल भारतीय प्रशासनिक सेवा और ग्रुप 'ए' सेवाओं के अधिकारियों द्वारा भरा जाता है।**
- **बयान में कहा गया है कि, उम्मीदवारों के लिए विस्तृत विज्ञापन और निर्देश 20 मई, 2023 को आयोग की वैबसाइट पर जारी किए जाएंगे। इच्छुक उम्मीदवार 20 मई, 2023 से 19 जून 2023 तक इन पदों के लिए आवेदन कर सकते हैं।**

नई दिल्ली, 18 मई। केंद्र सरकार अपने कुछ विभागों में वरिष्ठ अधिकारियों की नुक्तियां कॉन्ट्रैक्ट के आधार पर करने जा रही है। केंद्र सरकार ने प्राइवेट क्षेत्र के 20 विशेषज्ञों को अपने 12 विभागों में कॉन्ट्रैक्ट के आधार पर संयुक्त सचिव, निदेशक और उप सचिव के तौर पर भर्ती करने का फैसला किया है। एक आधिकारिक बयान में बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी गई। यह केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित इस तरह का तीसरा भर्ती अभियान है।

कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग ने संघ लोक सेवा आयोग (यू.पी.एस.सी.) से ऐसे विशेषज्ञों को 'लेटरल एंट्री' यानी सरकारी विभागों में प्राइवेट क्षेत्र के एक्सपर्ट्स की नियुक्ति के माध्यम से भर्ती करने के लिए कहा है। आमतौर पर, संयुक्त सचिवों, निदेशकों और उप सचिवों का पद अखिल भारतीय और ग्रुप 'ए' सेवाओं के अधिकारियों द्वारा भरा जाता है। बयान के मुताबिक, प्रस्तावित भर्ती, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के तहत कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, नागरिक उड्डयन मंत्रालय, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के तहत रसायन और पेट्रोरसायन विभाग, कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के तहत खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग, उपभोक्ता मामले और भारी उद्योग मंत्रालय के लिये की जाएगी।

कार्मिक मंत्रालय के बयान के अनुसार, उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय, कानून एवं न्याय मंत्रालय के तहत कानूनी मामलों के विभाग, उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय और रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय में भी 'लेटरल एंट्री' के माध्यम से भर्ती की जाएगी। बयान के मुताबिक, इन मंत्रालयों/विभागों में 'लेटरल एंट्री' भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से चार संयुक्त सचिवों और 16 निदेशकों/उप सचिवों को शामिल किया जाएगा।

बयान में कहा गया है कि उम्मीदवारों के लिए विस्तृत विज्ञापन और निर्देश 20 मई, 2023 को आयोग की वेबसाइट पर जारी किए जाएंगे। इच्छुक उम्मीदवार 20 मई, 2023 से 19 जून 2023 तक इन पदों के लिए आवेदन कर सकते हैं।

बंगाल में ''द केरल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नहीं है।

पीठ ने पश्चिम बंगाल सरकार से कहा, ''फिल्म देश में हर जगह चल रही है। आप पूरे राज्य में फिल्म पर प्रतिबंध नहीं लगा सकते।''

शीर्ष अदालत ने तमिलनाडु सरकार को फिल्म के प्रदर्शन को रोकने के लिए कोई कदम नहीं उठाने और फिल्म देखने वालों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक सिनेमा हॉल को पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करने का भी निर्देश दिया।

उच्चतम न्यायालय ने फिल्म निर्माता सनशाइन पिक्चर्स प्राइवेट लिमिटेड की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे का एक बयान भी दर्ज किया कि किसी भी विवाद को शांत करने के लिए 20 मई की शाम 5 बजे तक फिल्म में एक डिस्क्लेमर डाला जाएगा कि 32,000 रूपांतरण के कोई प्रामाणिक आंकड़े नहीं हैं और फिल्म एक काल्पनिक कहानी पर आधारित है।

बैंच ने फिल्म द केरला स्टोरी देखने का भी फैसला किया, ताकि यह तय किया जा सके कि क्या स्वीकार्य है या नहीं।

शीर्ष अदालत ने कहा कि वह गर्मी की छुट्टियों के बाद मद्रास और केरल उच्च न्यायालयों के फैसले से उत्पन्न याचिकाओं पर विचार करेगी। इन उच्च न्यायालयों ने उस फिल्म के प्रदर्शन पर रोक लगाने की याचिका खारिज कर दी थी।

जल्लीकट्टू व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सरकार द्वारा पारित कानून में जानवरों के प्रति क्रूरता (यदि कोई हो) का ध्यान रखा गया है।

न्यायमूर्ति बोस ने फैसले का एक हिस्सा पढ़ते हुए कहा कि किसी राज्य की सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा क्या है, इस पर निर्णय लेने के लिए विधायिका सबसे अच्छी संस्था है और इसे न्यायपालिका द्वारा तय नहीं किया जा सकता है।

छवि परिवर्तन कार्यक्रम के तहत...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है। रिजीजू ने अपने पूर्व मंत्रालय की ओर से एक नोट पोस्ट किया है, जिसमें भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चन्द्रचूड़ तथा सभी जजों का धन्यवाद ज्ञापन किया गया है।

भारत को नये विधि मंत्री ऐसे अजीबोगरीब समय पर मिले हैं, जब सर्वोच्च न्यायालय तथा सरकार के बीच जजों की नियुक्ति को लेकर प्राय: मतैक्य नहीं रहा है।

रिजीजू का संक्षिप्त कार्यकाल बड़ा विवादास्पद रहा क्योंकि सरकार और न्याय पालिका के बीच प्राय: टकराव की स्थिति बनी रही तथा जजों की नियुक्ति की कोलीजियम व्यवस्था को लेकर सर्वोच्च न्यायालय की खुली आलोचना की गई।

फरवरी में, सर्वोच्च न्यायालय की दो जजों की एक बैंच ने जजों की नियुक्तियों और तबादलों को मंजूरी दिये जाने में विलंब पर अप्रसन्नता व्यक्त की थी। बैंच ने इसे एक गंभीर मुद्दा बताया तथा एक ऐसी ''प्रशासनिक एवं न्यायिक कार्यवाही की चेतावनी दी थी, जो संभवत: रूचिकर नहीं हो।''

रिजीजू ने इस चेतावनी की उपेक्षा कर दी थी तथा कह दिया था कि देश का शासन संविधान तथा जन आकांक्षाओं के अनुसार चलेगा। उन्होंने एक समारोह में कहा था, ''कभी-कभी कुछ मुद्दों पर देश में चर्चाएं हुआ करती हैं तथा लोकतंत्र में हर व्यक्ति को अपने विचार व्यक्त करने का अधिकार है। लेकिन जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों को कुछ भी कहने से पहले यह सोचना होता है कि ऐसा कहना देश हित में होगा या नहीं।'' उन्होंने जोर देते हुये कहा था कि ''कोई भी व्यक्ति किसी भी व्यक्ति को चेतावनी नहीं दे सकता।''

सरकार बनाम न्याय पालिका टकराव उस समय और बढ़ गया था, जब रिजीजू ने गत वर्ष कह दिया था कि कोलीजियम व्यवस्था संविधान के लिये ''परायी'' है तथा उसे जन-समर्थन हासिल नहीं है। उन्होंने कहा था, ''आप यह अपेक्षा कैसे कर सकते हैं कि संविधान के साथ किसी असम्बद्ध निर्णय को केवल इसलिये देश का समर्थन मिल जायेगा कि वह निर्णय अदालत या कुछ जजों द्वारा लिया गया है।''

उन्होंने संसद द्वारा 2014 में पारित किये गये नैशनल जुडिशियल अपॉइन्टमेंट्स कमीशन (एन.जे.ए.सी.) एक्ट का भी उल्लेख किया था, जिसमें न्यायिक नियुक्तियों के मामले में सरकार को बड़ी एवं निर्णायक भूमिका प्रदान कर दी गई थी, तथा जिसे सर्वोच्च न्यायालय ने रद्द कर दिया था।

जहां विधि राज्य मंत्री बघेल को दूसरे मंत्रालय में भेजे जाने के पीछे इस प्रथा का हवाला दिया जा रहा है कि जिस मंत्रालय का मुखिया स्वतंत्र प्रभार वाला राज्य मंत्री हो, उसमें कोई सहायक मंत्री नहीं हो सकता, वहीं असली तथ्य यह है कि उन्होंने 8 मई को उस समय एक विवाद को जन्म दे दिया था, जब उन्होंने दावा किया था कि सहिष्णु मुस्लिम नगण्य संख्या में हैं, तथा सहिष्णु नजर आने वाले लोग भी सहिष्णुता को एक मुखौटे के रूप में काम में लेते हैं ताकि वे सार्वजनिक जीवन में बने रहें तथा राज्यपाल एवं उपराष्ट्रपति बन सकें।

सूत्रों का कहना है कि बघेल की यह मान्यता और उसे व्यक्त करने का समय भाजपा हाई कमान के गले नहीं उतरा था क्योंकि अब तो आर.एस.एस. भी मुस्लिमों के रिश्ते सुधारने के प्रयास कर रही है। इसके अलावा, सरकार के स्तर पर यह भी महसूस किया जा रहा है कि सरकार को तनाव कम करने की जरूरत है जो कर्नाटक विधानसभा चुनावों के दौरान उस समय पैदा हो गई थी, जब यह मानकर साम्प्रदायिक मुद्दे उठाये गये थे कि ऐसा करने से बड़ा चुनावी फायदा मिलने में मदद मिलेगी।

सूत्रों ने कहा कि प्रधानमंत्री तथा उनकी सरकार को एक नये रूप में प्रस्तुत करने की कवायद की तैयारी बड़े पैमाने पर चल रही है।

ग्रैनाईट की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया।

थानाधिकारी ने बताया कि, मृतक अशोक, पुत्र मदन लाल मीणा, नरडी थाना सांवर, महज दो दिन पूर्व ही ग्रैनाईट खदान पर मजदूरी के लिए आया था। गुरूवार को, काटकर रखे हुए ग्रैनाईट के ब्लॉक्स के ढेर से ब्लॉक हटाने के लिए मृतक अशोक फोर्कलैण्ड मशीन से कार्य कर रहा था।

इसी दौरान चट्टान ब्लॉक का बड़ा भाग फोर्कलैण्ड मशीन की केबिन पर आ गिरा, जिससे केबिन में बैठे श्रमिक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

हादसे की सूचना मिलने के बाद ग्रैनाईट खादान के संचालक ने मौके पर पहुंचने के बजाय अपने प्रतिनिधि को भेजकर शव का अन्तिम संस्कार करवाने का भरकस प्रयास किया, लेकिन मृतक के परिजन 20 लाख रुपये की आर्थिक सहायता की मांग करते हुए मुर्दाघर के पास बैठ गये। दोनों पक्षों के बीच तकरीबन चार घंटे तक चली समझाइश व सहमति वार्ता में आर्थिक सहायता राशि को लेकर सहमति नहीं बन सकी।

ममता बनर्जी ''पटाखा फैक्टरी'' में बम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अनुभव की बात है कि इस प्रकार के अस्थाई ठिकानों में बने हस्तनिर्मित बमों का इस्तेमाल राजनैतिक हिंसा के लिये किया जाता है।

पुलिस का शक है कि तथाकथित पटाखा फैक्ट्री में इसी प्रकार के कोई क्रियाकलाप चल रहा था तथा कुछ चिनगारियाँ निकलने से इतने जबरदस्त विस्फोट की स्थिति पैदा हो गई। इस ब्लास्ट में कम से कम दस लोग मारे गये तथा बीस लोग घायल हो गये, जिनमें से कुछ जीवन के लिये संघर्ष कर रहे हैं। इस तथाकथित पटाखा फैक्ट्री का मालिक स्थानीय पंचायत का तृणमूल प्रमुख था। ग्रामीण लोगों ने इस पटाखा फैक्ट्री के अवैध संचालन की शिकायत भी की थी तथा ऐसा संदेह था कि व्यवस्था इन अपरिष्कृत हस्तनिर्मित बमों को बनाने के लिये ढाल का काम कर रही थी।

इस संदेह देखने में इसलिये और भी ज्यादा विश्वसनीय प्रतीत होता है क्योंकि पंचायत चुनाव नजदीक आ रहे हैं तथा सत्तारूढ़ दल वोटों पर कब्जा करने एवं पंचायत बोर्डों में जीत के लिये ऐसे बमों एवं हिंसा के मदद से दबाव बनाने तथा जोर-जबरदस्ती करने का वीभत्स खेल खेल सकता था।

इसमें कोई संदेह नहीं कि ऐसी अवैध फैक्ट्रियाँ केवल दण्डाभाव की स्थिति में ही नहीं चल सकतीं, इनके संचालन के लिये सत्तारूढ़ दल द्वारा प्रदत्त राजनैतिक संरक्षण भी जरूरी है। एक ऐसे राज्य में, जहाँ सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की सहमति के बिना न तो एक ईंट लगाई जा सकती है और न हटाई जा सकती है, वहाँ इतने बड़े जोखिम वाली फैक्ट्रियों का सतत संचालन सत्तारूढ़ पार्टी की अनकही/मौन स्वीकृति से ही संभव हो सकता है। इस विस्फोट के तुरन्त बाद, इस पटाखा फैक्ट्री का मालिक, अपने अनुचरों के साथ, त्वरित गिरफ्तारी से बचने के लिये भागकर ओडिशा चला गया बताते हैं। इस स्थिति को भी एक प्रकार गलत चीज माना जा रहा है जो स्थानीय पुलिस तथा राजनैतिक पार्टी के स्तर की मौन अनुमति के चलते ही हो सकती है।

विस्फोट के समाचार की जानकारी मिलते ही, राज्य के विपक्षी दलों ने इस मामले की एन.आई.ए. द्वारा जाँच कराये जाने की माँग शुरु कर दी थी। राज्य पुलिस पर लोगों का ऐसा भरोसा नहीं है कि वह कोई भी काम ''प्रोफेशनली'' करती है। जहाँ ममता बनर्जी इस बात का जबरदस्त विरोध करती कि बंगाल की किसी स्थानीय घटना की जाँच कोई केन्द्रीय एजेंसी करे, लेकिन इस मामले में, बनर्जी ने पहली प्रतिक्रिया देते हुये, एन.आई.ए. जाँच की माँग के प्रति सहमति व्यक्त की। विपक्ष का कहना है कि इसका कारण यह है कि विस्फोट बहुत बड़ा और भयानक था तथा इसमें इतने ज्यादा लोग मरे हैं। इसके अलावा, स्थानीय गाँव में स्थिति इतनी तनावपूर्ण है कि सत्तरूढ़ पार्टी का कोई नेता वहाँ जाने की हिम्मत नहीं कर सका है। घटना के शीघ्र बाद ही, पार्टी की जो टीम वहाँ गई थी, उसे स्थानीय ग्रामीणों ने यह कहकर लौटा दिया था कि ऐसी घटनाएँ सत्तारूढ़ पार्टी के आक्रामक नेताओं की ढील एवं सक्रिय लिप्तता के फलस्वरूप ही हो सकती हैं।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908

MARUTI SUZUKI

NEXA

AN SUV MADE TO MATCH YOUR STRIDE.

PRESENTING

FRONX

THE SHAPE OF NEW

Scan to know more about FRONX

CREATE. INSPIRE.

1.0L Turbo Boosterjet Engine with Progressive Smart Hybrid

360 View Camera

Head Up Display

NEXTre' Rear Combination Lights

In-Built Suzuki Connect

Wireless Charger

VISIT YOUR NEAREST NEXA DEALERSHIP OR LOG ON TO WWW.NEXAEXPERIENCE.COM TO BOOK YOUR TEST DRIVE.

Contact us at
1800-200-[6392]
1800-102-[NEXA]
www.nexaexperience.com
NOW YOU CAN ALSO BOOK ONLINE

CONTACT YOUR NEAREST NEXA DEALER: ALWAR: NEXA MANHAR VILLA (FORTUNE CARS PH: 7230029424), **BHIWADI: NEXA BHIWADI CENTRAL** (FORTUNE CARS PH: 9214794313).

Accessories and features shown may not be part of standard equipment. Black glass on the vehicle is due to lighting effect. Images used are for illustration purposes only.